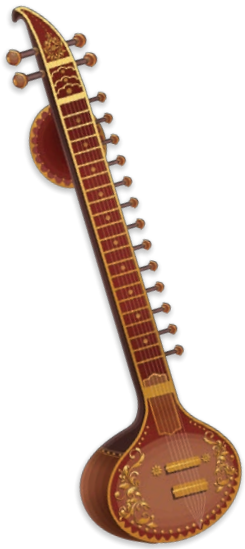

6 राग परिचय एवं बंदिशें

राग भैरव

भैरव थाट रे ध कोमल, धैवत ऋषभ सम्वाद।
प्रातः समय गुनी जन गावत, भैरव पूरण राग।।

राग परिचय-1, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव

11154CH06

राग विवरण

इस राग की उत्पत्ति भैरव थाट से मानी जाती है। इसमें ऋषभ और धैवत स्वर कोमल तथा शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। इसकी जाति संपूर्ण मानी गयी है। राग भैरव का वादी स्वर धैवत तथा संवादी स्वर ऋषभ होता है। इस राग के आरोह में ऋषभ का अल्पत्व रहता है, इस राग की विशेषता रेध स्वरों पर निर्भर करती है। इसमें मध्यम से ऋषभ की मींड बहुत सुंदर दिखाई देती है। इसका गायन समय प्रात:काल है। यह एक गंभीर प्रकृति का राग है। कर्नाटक संगीत में इसे 'मायामालवगौल' के नाम से जाना जाता है। संगीत के कुछ मनीषियों ने इसे आदि राग भी माना है।

मुख्य बिंदु

थाट	भैरव
जाति	संपूर्ण
स्वर	रे॒ ध॒ कोमल, शेष शुद्ध
वादी	ध॒
संवादी	रे॒ गायन
समय	प्रात:काल
आरोह	स रे॒ ग म, प ध॒, नि सं
अवरोह	सं नि ध॒, प म ग, रे॒, स
पकड़	ग म ध॒ ध॒ प, ग म रे॒ रे स

© NCERT not to be republished

राग भैरव–त्रिताल (मध्य लय)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 2

स्थायी धन धन मूरत कृष्ण मुरारी सुलच्छन गिरिधारी छबि सुंदर लागे अति प्यारी

अंतरा बंसी धर मन मोहन सुहावे बलि बलि जाऊँ मोरे मन भावे सब रंग ज्ञान विचारी

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								म		नि				ग	
								ग	म	ध़	ध़	पम	प़	म	ग
								ध	न	ध	न	मूऽ	ऽ	र	त
ग				ग				नि़	नि़						
रे़	–	मग़	(म)	रे़	–	स	–	स	ध़	–	नि़	स	स	स	स
कृ	ऽ	ष्णऽ	मु	रा	ऽ	री	ऽ	सु	ल	ऽ	च्छ	ऽ	न	गि	रि
ग				स		म				नि		ध		नि	
रे़	–	स	–	नि़	स	ग	म	प	प	ध़	–	सं	–	ध़	प
धा	ऽ	री	ऽ	छ	बि	सूँ	ऽ	द	र	ला	ऽ	गे	ऽ	अ	ति
पध़	निसं	सं रे़	संनि	धनि	धप	मग़	म								
प्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री								
अंतरा															
								म				नि			
								प	–	प	–	ध़	ध़	नि	नि
								बं	ऽ	सी	ऽ	ध	र	म	न
								सं		रें					
सं	सं	सं	सं	नि	सं	सं	–	रें़	रें़	मं	मं	रें़	–	सं	–
मो	ह	न	सु	हा	ऽ	वे	ऽ	ब	लि	ब	लि	जा	ऽ	ऊँ	ऽ
नि				नि				म						नि	
सं	सं	रें़	सं	ध़	–	प	–	ग	म	ग	म	प	–	ध़	प
मो	रे	म	न	भा	ऽ	वे	ऽ	स	ब	रं	ग	ज्ञा	ऽ	न	वि
पध़	निसं	सं रे़	संनि	धनि	धप	मग़	म								
चाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री								

© NCERT not to be republished

भैरव–एकताल (विलंबित)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 2

स्थायी बिना हरि कौन खबर मोरी लेत

अंतरा काहे को सोच करे मन मूरख नित उठि भोजन देत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धी	ना
×		0		2		0		3		4	
स्थायी											
							नि	स			
							स	म	–	गम	पप
							बि	ना	ऽ	ऽऽ	हरि
नि								म			
ध्र	–	प	पम	धधपम	प	म	ग	रे	,ग	म	प
कौ	ऽ	न	ऽऽ	खऽऽऽ	ऽ	ब	ऽ	र	ऽमो	री	ऽ
			ग	म							
म	–	ग	म(म)	रे	–	स	,स				
ले	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	त	,बि				
अंतरा											
										नि	
								प	मप	ध्र	नि
								का	ऽऽ	हे	को
			नि	गं				सं		नि	
सं	–	सं	सं	रें	–	सं	सं	नि	सं	ध्र	प
सो	ऽ	च	ऽक	रे	ऽ	म	न	मू	ऽ	र	ख
म						नि					
प	म	गम	प	प	–	ध्र	–	–	नि	सं	निसं
नि	त	ऽऽ	उ	ठि	ऽ	भो	ऽ	ऽ	ज	न	ऽऽ
					नि						
रें	–	सं	नि	सं	ध्र	प	मपधपप				
दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽऽऽबि				

© NCERT not to be republished

धमार

ताल–धमार

डागर घराने की बंदिश

स्थायी आज धूम मची है बृज में आली, अब कैसे मान रहे गोरी
अंतरा चोहा चंदन और अतर अरगजा केसर रंग मचे गौरी।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
क	धि	ट	धि	ट	धा	ऽ	ग	ति	ट	ति	ट	ता	ऽ
×					2		0			3			
स्थायी													
										ग	प	ग	म
										आ	ऽ	ज	ऽ
ध्र	–	–	प	–	ध्र	प	म	प	प	म	–	ग	–
धू	ऽ	ऽ	म	ऽ	म	ची	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
रे्र	रे्र	रे्र	म	ग	प	–	म	ग	–	प	म	ग	–
बृ	ज	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ
ऩी	ऩी	स	म	म	ग	मग	प	–	–	ध्र	–	नी	सं
अ	ब	ऽ	कै	ऽ	ऽ	सोऽ	मा	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ
रें्र	सं	नी	ध्र	नी	सं	नी	ध्र	पम	प	ग	प	ग	म
र	हे	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽऽ	ऽ	आ	ऽ	ज	ऽ
अंतरा													
प	प	प	ध्र	ध्र	ध्र	नी	नी	सं	सं	सं	सं	सं	सं
चो	ऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	चं	ऽ	ऽ	द	न	ऽ	औ	र
ध्र	ध्र	ध्र	नी	सं	रें्र	रें्र	सं	नीसं	ध्र	–	प	ग	म
अ	त	ऽ	र	ऽ	ऽ	अ	र	गऽ	जा	ऽ	ऽ	के	ऽ
ध्र	ध्र	नी	नी	रें्र	सं	नी	ध्र	पम	प	ग	प	ग	म
स	र	रं	ग	म	चे	ऽ	गो	ऽऽ	री	आ	ऽ	ज	ऽ

© NCERT not to be republished

राग भैरव (त्रिताल)—मसीतखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
											सऩि	स	गम	प	प
											दिर	दा	दिर	दा	रा
$^{नि}$ध॒	$^{नि}$ध॒	प	ध॒प	म	पम	ग	रे॒गमप	मगम	रे॒	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	राऽऽऽ	दा	दा	रे					
मन्झा															
ग़	म़म़	$^{नि}$ध़॒	ऩि	स	^{ग}ग	मध॒	प	मगम	^{ग}रे॒	स					
दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	द	दा	रा					
अंतरा															
											गग	म	ध॒ध॒	नि	नि
											दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	सं	सं	निसं	ध॒	निनि	सं	रें॒	गंमं	रें॒	सं					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	रा	रा					
											रें॒,गंमं	रे॒	संसं	नि	सं
											दिर	दा	दिर	दा	रा
$^{नि}$ध॒	$^{नि}$ध॒	प	मग	म	ध॒ध॒	प	म	मगम	रे॒	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					

राग भैरव (त्रिताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
						धध	पप	ग–	म,रे	–रे,	सस	नि	सस	ग	म
						दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दिर	दा	दिर	दा	रा
ध	–	प,	ग	–	म										
दा	ऽ	रा,	दा	ऽ	रा										
अंतरा															
ध	–	–	ग	–	म	ध	नि	ध	निनि	संसं	रेंरें	सं–	सं,नि	-नि,	सं
दा	ऽ	ऽ	दा	ऽ	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
म	धध	प	म	ग	म										
दा	दिर	दा	रा	दा	रा										

राग भैरव (त्रिताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								स	मम	ग	म	–	प	म	प
								दा	दिर	दा	रा	ऽ	दा	रा	दा
ध	–	–,	म	ग	रे	स	नि								
दा	ऽ	रा,	दा	दा	रा	दा	रा								
अंतरा															
ध	–	–,	म	ध	म,	ध	नि	ध	निनि	संसं	रेंरें	सं–	सं,नि	–नि	सं
दा	ऽ	रा,	दा	रा	दा,	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
सं	गंगं	रें	मं	गं	रें	सं	नि	सं	रेंरें	निनि	संसं	नि–	नि,ध	–ध,	प
दा	दिर	दा	रा	दा	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
म	धध	प	म	ग	रे	स	नि								
दा	दिर	दा	रा	दा	रा	दा	रा								

© NCERT not to be republished

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग भैरव पर आधारित हैं–

जागो मोहन प्यारे जागो

(**चित्रपट**—*जागते रहो* (1956), **गायिका**—लता मंगेशकर, **संगीतकार**—सलिल चौधरी, **गीतकार**—शैलेंद्र सिंह)

अम्मा रोटी दे, बाबा रोटी दे

(**चित्रपट**—*संसार* (1951), **गायिका**—लता मंगेशकर, **संगीतकार**—वी. एस. कल्ला, इमानी शंकरा शास्त्री और एम. डी. पार्थ शास्त्री, **गीतकार**—पं. इंद्रा चंद्रा)

मोहे भूल गये साँवरिया

(**चित्रपट**—*बैजू बावरा* (1952), **गायिक**—लता मंगेशकर, **संगीतकार**—नौशाद, **गीतकार**—शकील बदायूँनी)

इक ऋतु आए इक ऋतु जाए, मौसम बदले ना बदले नसीब

(**चित्रपट**—*गौतम गोविंदा* (1979), **गायक**—किशोर कुमार, **संगीतकार**—लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, **गीतकार**—आनंद बख्शी)

अभ्यास

विभाग 'अ' के शब्दों का 'आ' विभाग में दिए गए शब्दों से मिलान करें–

अ	आ
(क) राग भैरव का थाट	1. प्रात:काल
(ख) कोमल स्वर	2. स <u>रे</u> ग म, प <u>ध</u>, नि सं
(ग) गायन समय	3. जागो मोहन प्यारे
(घ) आरोह	4. भैरव
(ङ) अवरोह	5. <u>रे</u> <u>ध</u>
(च) आधारित गीत	6. सं नि <u>ध</u>, प म ग, <u>रे</u> स

© NCERT not to be republished

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग भैरव की जाति _____ है।
2. राग भैरव को कर्नाटक संगीत में _____ राग के नाम से जाना जाता है।
3. इसका वादी _____ व _____ संवादी _____ स्वर है।
4. इसके _____ व _____ पर आंदोलन किया जाता है।
5. 'अम्मा रोटी दे, बाबा रोटी दे' गीत _____ फ़िल्म से लिया गया है।

सही या गलत बताइए–

1. राग भैरव में ठुमरी ज्यादा गाई जाती है। (सही/गलत)
2. यह अपने राग का आश्रय राग नहीं है। (सही/गलत)
3. इस राग में ध्रुपद व तराना भी गाया जाता है। (सही/गलत)
4. प्रसिद्ध फिल्म *बैजू बावरा* (1952) में सिनेमा जगत में प्रदर्शित की गई थी। (सही/गलत)
5. राग भैरव सायंकालीन राग है। (सही/गलत)

इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. राग भैरव पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा उसका भावार्थ बताइए।
2. राग भैरव पर आधारित कोई एक बंदिश की स्वरलिपि लिखिए।

आइये, पाठ्यक्रम से हटकर संगीत की कुछ अन्य पृष्ठभूमि पर भी चर्चा करें–

1. भारत की आज़ादी के बाद संगीत क्षेत्र पर क्या प्रभाव पड़ा? इसके उतार-चढ़ाव को अपने शब्दों में लिखिए।
2. संगीत शिक्षा को स्कूल शिक्षा का एक विषय बना दिया गया। क्या आप इस बदलाव से सहमत हैं या नहीं। कारण सहित बताइए।

© NCERT not to be republished

राग खमाज

चढ़त रिखब न लगाइये, कोमल म-नी विराज ।
ग-नि वादी-संवादी तें कहयित राग खमाज ।।

चंद्रिकासार

राग विवरण

यह राग खमाज थाट का राग है जो कि आश्रय राग की श्रेणी में आता है। इस राग में दोनों निषाद प्रयोग किए जाते हैं। आरोह में शुद्ध निषाद तथा अवरोह में कोमल निषाद का प्रयोग होता है, शेष स्वर शुद्ध प्रयोग किये जाते हैं। इसकी जाति षाड्व-संपूर्ण है। इस राग का वादी स्वर गांधार और संवादी निषाद है। इसके आरोह में ऋषभ वर्जित होता है। इसके अवरोह में अनेक बार पंचम वक्र करके लगाया जाता है। इसका गायन समय रात्रि का दूसरा प्रहर होता है। यह ठुमरी अंग का राग है अत: प्राय: इसमें ठुमरी, भजन व देश-भक्ति गीत आदि गाए जाते हैं। इसके वादन में विलंबित और द्रुत (मसीतखानी व रज़ाखानी) दोनों प्रकार की गतें बजाई जाती हैं। दक्षिण भारतीय संगीत में इसे 'हरिकाम्भोजी' कहा जाता है।

मुख्य बिंदु

थाट	खमाज
जाति षाड्व	संपूर्ण
वादी	ग
संवादी	नि
वर्जित स्वर	आरोह में ऋषभ
वर्जित गायन समय	रात्रि का द्वितीय प्रहर
आरोह	स ग, म प , ध नि सं
अवरोह	सं नि̲ ध प , म ग, रे स
पकड़	नि̲ ध, म प ध ऽ म ग

© NCERT not to be republished

राग खमाज–त्रिताल (मध्यलय)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 1

स्थायी नमन करूँ मैं सद्-गुरु चरणा सब दुख हरणा भव निस्तरणा

अंतरा शुद्ध भाव धर अंत: करणा सुर नर किन्नर वंदित चरणा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								नि					प		
								सं	सं	नि	नि	ध	ध	(म)	ग
								न	म	न	क	रूँ	ऽ	मैं	ऽ
म				नि				नि					रें	रें	
ग	–म	प	ध	सं	नि	सं	–	सं	सं	गं	मं	गं	गं	नि	सं
स	ऽद्	गु	रु	च	र	णा	ऽ	स	ब	दु	ख	ह	र	णा	ऽ
सं							प								
नि	नि	सं	–	नि	सं	नि	ध								
भ	व	नि	ऽ	स्त	र	णा	ऽ								
अंतरा															
								प		नि					
								ग	म	ध	नि	सं	नि	सं	सं
								शु	ऽ	द्ध	भा	ऽ	व	ध	र
				सं				नि				रें		रें	
नि	-	सं	-	नि	सं	नि	ध	सं	सं	गं	मं	गं	–	नि	सं
अं	ऽ	तः	ऽ	क	र	णा	ऽ	सु	र	न	र	कि	ऽ	न्न	र
सं							प								
नि	–	सं	सं	निसरें	निसं	नि	ध								
वं	ऽ	दि	त	चऽऽ	र ऽ	णा	ऽ								

© NCERT not to be republished

राग खमाज (धमार)—ताल-धमार

डागर घराने की बंदिश

स्थायी श्याम रंग डारत बरजोरी चुनरी भिजोई गागर फोरी

अंतरा रंग पिचकारी तक तक मारी छाडो छाड़ो गैलहि मोरी

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
क	धि	ट	धि	ट	धा	ऽ	ग	ति	ट	ति	ट	ता	ऽ
×					2		0			3			
स्थायी													
									स	ग	म	प	ध
									श्या	ऽ	म	रं	ग
नी	नी	नी	सं	नीप	प	धसं	नी	धप	–	ग	म	प	सं
डा	ऽ	ऽ	र	तऽ	ब	रऽ	जो	रीऽ	–	चु	न	री	भि
नीध	नीप	ध	नी	नी	संनि	संनि	नीध	नीप	सं	ग	म	प	ध
जोऽ	ऽऽ	ई	गा	ऽ	गऽ	रऽ	फोऽ	रीऽ	श्या	ऽ	म	रं	ग
अंतरा													
ग	ग	म	नी	धप	नी	–	नी	सं	सं	सं	सं	सं	सं
रं	ग	ऽ	पि	ऽऽ	च	ऽ	का	ऽ	री	त	क	त	क
गं	गं	मं	गं	–	सं	–	नी	नी	सं	सं	–	–	–
मा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	छा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ	ऽ
प	नी	–	नी	नी	संनि	सं	नीध	नीप	सं	ग	म	प	ध
छा	ड़ो	ऽ	गै	ल	ही	ऽ	मोऽ	रीऽ	श्या	ऽ	म	रं	ग

© NCERT not to be republished

राग खमाज (तीनताल)—मसीतखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
											सऩि	स	गम	प	ध
											दिर	दा	दिर	दा	रा
नि	नि	सं	संसं	नि	धध	प	प	ग	म	ग					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
मांझा															
ऩि	सस	ग	म	प	धध	नि	सं	निध	गम	ग					
दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
अंतरा															
											मग	म	निध	प	ध
											दिर	दा	दिर	दा	रा
नि	नि	सं	निनि	नि	निनि	सं	सं	रें	नि	ध					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
											गंमं	गं	संसं	नि	सं
											दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	नि	ध	मग	म	निध	प	ध	ग	म	ग					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					

© NCERT not to be republished

राग खमाज (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12	13 14 15 16
धा धिं धिं धा	धा धिं धिं धा	धा तिं तिं ता	ता धिं धिं धा
×	2	0	3
स्थायी			
नि – सं –	प ध संनि रेंसं	नि– नि़ध –ध, प	ग मम प ध
दा ऽ दा ऽ	दा रा दारा दारा	दाऽ ऱदा ऽऱ, दा	दा दिर दा रा
अंतरा			
ग म ग –	स नि़नि़ स ग	– म प ध	ग मम ध –
दा रा दा ऽ	दा दिर दा दा	ऽ रा दा रा	दा दिर दा रा
			नि सं संनि रेंसं
			दा रा दारा दारा
नि– नि़ध –प, ध	प धध नि, सं	– ध प	
दाऽ ऱदा ऽऱ, दा	दा दिर दा, दा	ऽ रा दा रा	

© NCERT not to be republished

राग खमाज़ (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
				प	ध	संनि	रेंसं	नि–	नि़ध	–प,	ध	ग	गम	प	ध
				दा	रा	दारा	दारा	दाऽ	ऱदा	ऽऱ,	दा	दा	दिर	दा	रा
नि	–	सं	–												
दा	ऽ	रा	ऽ												
अंतरा															
नि	–	सं,	ध	–	नि	प	ध	नि	संसं	रेंरें	संसं	नि	नि़ध	–ध,	प
दा	ऽ	रा,	दा	ऽ	रा,	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	ऱदा	ऽऱ,	दा
ग	मम	नि	ध	प	ग	म	ग	स	नि़नि़	स,	ग	–	म,	प	ध
दा	दिर	दा	रा	दा	रा	दा	रा	दा	दिर	दा,	दा	ऽ	रा,	दा	रा
नि	–	सं	–												
दा	ऽ	रा	ऽ												

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग खमाज पर आधारित हैं—

बडा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया

(**चित्रपट**—*अमर प्रेम* (1971), **गायिका**—लता मंगेशकर, **संगीतकार**—राहुल देव वर्मन, **गीतकार**—आनन्द बख्शी)

आन मिलो सजना, अँखियों में ना आये निंदिया

(**चित्रपट**—*गदर–एक प्रेम कथा* (2001) **गायक**—पं. अजय चक्रवर्ती **गायिका**— परवीन सुल्ताना, **संगीतकार**—उधमसिंह, **गीतकार**—आनन्द बख्शी)

भजन-वैष्णव जन तो तैने कहिये

(**लेखक**—संत कवि नरसी मेहता)

आयो कहाँ से घन श्याम

(**चित्रपट**—*बुड्ढा मिल गया* (1971) **गायक**— मन्ना डे, **गायिका**— अर्चना, **संगीतकार**—राहुल देव वर्मन, **गीतकार**—मज़रूह सुल्तानपुरी)

© NCERT not to be republished

अभ्यास

राग खमाज के बारे में आप पढ़ चुके हैं। आइए नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करें–

1. राग खमाज किस थाट के अंतर्गत आता है?
2. राग खमाज का गायन समय बताइए।
3. क्या राग खमाज के आरोह में शुद्ध 'नि' का प्रयोग होता है?
4. राग खमाज में किस प्रकार की शैलियों की रचनाएँ गाई जाती हैं?
5. राग खमाज पर आधारित कोई दो फिल्मी गीत लिखिए तथा उस गीत के कलाकारों के बारे में भी लिखिए।
6. 'वैष्णव जन तो तैने कहिये' किस कवि की रचना है?
7. राग खमाज पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा राग के मुख्य लक्षण बताइए।
8. राग खमाज पर आधारित कोई एक बंदिश की स्वरलिपि लिखिए।
9. कोई दो प्रसिद्ध गीतकार और संगीतकार का योगदान बताए जिन्होंने राग खमाज में कुछ रचनाएँ की हों?

सही या गलत बताइए–

1. राग खमाज आश्रय राग की श्रेणी में नहीं आता है। (सही/ गलत)
2. इसके आरोह में निषाद वर्जित स्वर होता है। (सही/गलत)
3. इस राग की जाति षाड्व संपूर्ण होती है। (सही/ गलत)
4. 'आयो कहाँ से घनश्याम' गीत लता मंगेशकर द्वारा गाया हुआ गीत है। (सही/ गलत)
5. इसके आरोह तथा अवरोह में क्रमशः शुद्ध व कोमल निषाद प्रयोग होता है। (सही /गलत)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग खमाज का वादी _____ तथा संवादी _____ होता है।
2. राग खमाज की जाति _____ होती है।
3. इसके वादन में _____ गतें बजाई जाती हैं।
4. 'आन मिलो सजना' गीत _____ फिल्म से संबंधित है।
5. गीतकार मज़रूह सुल्तानपुरी और संगीतकार राहुल देव वर्मन द्वारा रचित राग खमाज पर आधारित गीत _____ है।

© NCERT not to be republished

आइये, पाठ्यक्रम से हटकर कुछ भिन्न बातों पर भी चर्चा करें–

1. जो राग हम सीखते हैं व गाते हैं उन रागों पर आधारित सुगम संगीत और फिल्मी संगीत आप को कैसा लगता है ? विस्तृत जानकारी अपने शब्दों में लिखिए।
2. एक अच्छे संगीतज्ञ के लिए रियाज़ करना बहुत ज़रूरी होता है, क्यों? अपने शब्दों में लिखिए।

राग यमन (कल्याण)

सबही शुद्ध सुर जहाँ, वादी गंधार सुहाय।
अरु संवादि निखाद तें, ईमन राग कहाय।।

चंद्रिकासार

राग विवरण

यह राग कल्याण थाट का राग है और आश्रय राग की श्रेणी में आता है। इसमें मध्यम स्वर तीव्र तथा अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं। इसके आरोह तथा अवरोह में सातों स्वर प्रयोग में लाये जाते हैं इसीलिए इसकी जाति भी संपूर्ण है। वादी स्वर गंधार तथा संवादी स्वर निषाद होता है। यह गंभीर प्रकृति का राग है। इसका गायन समय रात्रि का प्रथम प्रहर है। इस राग का चलन प्राय: निषाद से शुरू होता है। इसमें छोटा व बड़ा ख्याल, ध्रुपद, तराना तथा विलंबित और द्रुत गतें सभी सामान्य रुप से गाई बजाई जाती हैं। अगर यमन और कल्याण को एक साथ मिश्रित कर देते हैं, तब यह नवीन राग 'यमन कल्याण' बन जाता है। इसमें शुद्ध म केवल अवरोह में किंचित दो गंधारों के बीच प्रयोग किया जाता है, जैसे— प म ग म ग रे नि॒ रे स। कर्नाटक पद्धति में इसे 'कल्याणी' कहा जाता है।

मुख्य बिंदु

थाट	कल्याण
जाति षाड्व	संपूर्ण
वादी	ग
संवादी	नि
वर्जित स्वर	कोई नहीं
गायन समय	रात्रि का प्रथम प्रहर
आरोह	स रे ग मं प ध नि सं
अवरोह	सं नि ध प मं ग रे स
पकड़	नि॒ रे ग मं प, रे ग रे नि॒ रे स

© NCERT not to be republished

राग यमन—त्रिताल

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 1

स्थायी गुरु बिन कैसे गुन गावे गुरु न माने तो गुन नहिं आवे गुनियन में बेगुनी कहावे
अंतरा माने तोरी भावे सबको चरन गहे सादी कनके जब गावे अचपल ताल सुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								मं				मं	प		
								प	प	नि	ध	प	ध	प	–
								गु	रू	बि	न	कै	ऽ	से	ऽ
			ग					मं	प		मं				
मं	रे	मं	मं	प	–	–	–	प	नि	ध	प	–	मं	ग	रे
गु	न	गा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	गु	रू	न	मा	ऽ	ने	तो	ऽ
				नि				नि				मं		ग	
ग	रे	गमंप	रे	स	रे	स	–	स	स	रे	रे	ग	मं	मं	–
गु	न	नऽऽ	हि	आ	ऽ	वे	ऽ	गु	नि	य	न	में	ऽ	वे	ऽ
				नि											
प	प	–	नि	मं	ध	प	–								
गु	नी	ऽ	क	हा	ऽ	वे	ऽ								
अंतरा															
								मं							
								प	–	प	मं	ग	–	रे	–
								मा	ऽ	ने	ऽ	तो	ऽ	री	ऽ
प	ध							नि				नि	सं		
ग	प	सं	ध	सं	सं	सं	–	सं	सं	ग	रे	सं	रें	सं	–
झा	ऽ	वे	ऽ	स	ब	को	ऽ	च	र	न	ग	हे	ऽ	स	ऽ
					ध	ध		मं		ग		रे			
नि	ध	सं	सं	नि	नि	मं	प	प	ग	प	–	ग	रे	स	स
दी	ऽ	क	न	के	ऽ	ज	ब	आ	ऽ	वे	ऽ	अ	च	प	ल
सरे	गमं	पध	निसं	निध	पमं	गरे	सस								
ताऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽल	सुर								

© NCERT not to be republished

लक्षणगीत राग यमन–एकताल (मध्यलय)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 1

स्थायी सब गुनि जन इमन गात तीवर सुर करत साथ

अंतरा सुर वादि गंधार साध समवादि कर निखाद रात समय प्रथम प्रहर चतुर सुजन मन रिझात

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धी	ना
×		0		2		0		3		4	
स्थायी											
			ध	ध		मं					
सं	सं	नि	नि	मं	प	प	प	मं	ग	–	ग
स	ब	गु	नि	ज	न	इ	म	न	गा	ऽ	त
मं						ग			रे		
ग	–	ग	रे	ग	प	रे	ग	रे	नि़	रे	स
ती	ऽ	व	र	सु	र	क	र	त	स	ऽ	थ
स	स	रे	रे	ग	ग	मं	मं	प	प	ध	ध
						नि					
नि	नि	रें	रें	गं	रें	सं	रें	सं	नि	ध	प
अंतरा											
मं						प					
प	ग	प	–	ध	प	सं	–	सं	सं	–	सं
सु	र	वा	ऽ	दि	गं	धा	ऽ	र	स	ऽ	ध
नि									ध		
सं	सं	रें	–	गं	रें	सं	सं	नि	नि	ध	प
स	म	वा	ऽ	दी	ऽ	क	र	नि	खा	ऽ	द
						प					
प	ग	ग	प	प	प	नि	नि	ध	प	ध	प
रा	ऽ	त	स	म	य	प्र	थ	म	प्र	ह	र
			ध						ग		
सं	सं	नि	नि	मं	प	प	ग	प	रे	–	स
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	रि	झा	ऽ	त

© NCERT not to be republished

यमन–एकताल (विलंबित)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 2

स्थायी मेरा मन बाँध लीनो रे हाँ रे इन जोगीया के साथ

अंतरा सदारंग करम करो क्यूँ ना इन प्रान नाथ के हाथ

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धी	ना
×		0		2		0		3		4	
स्थायी											
स	–	नि़	रे	ग	रे	स	(स)	नि़	प़	निध़	सरे
बाँ	ऽ	ऽ	ध	ली	नो	रे	ऽ	मे	रा	ऽऽ	मन
				रे				पध	मं		पग
प	प(प)	ग	रे	ध़	नि़	स	स	निनि	(प)	रे	मंमं
जो	गीऽ	या	के	स	ऽ	ऽ	थ	हाँऽ	रेऽ	ऽ	इन
अंतरा											
								मं			
								ग	मं	प	ध
								स	दा	रं	ग
पध	मं					नि़		स			
निनि	प(प)	मंग	गप	ग	रे	सरे	स	नि़	रे	ग	मं
कऽ	रऽ	मऽ	कऽ	रो	ऽ	क्यूँऽ	ना	इ	न	प्रा	ऽ
पध				ग	स						
निनि	(प)	मंग	प	रे	नि़	रे	स				
नऽ	ना	ऽऽ	थ	के	हा	ऽ	थ				

© NCERT not to be republished

राग–यमन चौताल

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 2

स्थायी अधर लगाई रस प्याई बाँसुरी बजाई, मेरो नाम गाई, हाय जादू कियो मन में

अंतरा नटखट नवल सुघर नंद नंदनी करी के अचेत चेत हरी के जतन में

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन
×		0		2		0		3		4	
स्थायी											
							नी़	रे	ग	मं	प
							अ	ध	ऽ	र	ल
नी	–	धप	रे	रे	गरे	–	रे	स	–	–	–
गा	ऽ	ईऽ	र	स	प्या	–	–	ई	ऽ	ऽ	ऽ
मं	ध़	नी़	रे	–	रे	ग	–	स	–	–	–
बाँ	ऽ	सु	री	ब	जा	–	–	ई	ऽ	ऽ	ऽ
प	मं	ग	पमं	–	मंग	ग	–	प	मं	मंग	मं
मे	रो	ऽ	ना	ऽ	मऽ	गा	–	ई	हा	यऽ	जा
ध	प	मं	रे	ग	गरे	स					
दू	कि	यो	म	न	मेंऽ	ऽ					
अंतरा											
मं	ध	नी	सं	सं	–	सं	सं	–	सं	सं	सं
न	ट	ख	ट	न	ऽ	व	ल	ऽ	सु	घ	र
नी	–	नीध	संनि	रें	गं	गं	गं	रें	सं	–	सं
नीं	ऽ	दऽ	नऽ	ऽ	ऽ	द	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ
नी	नी	–	नी	–	सं	नी	ऽ	सं	नी	ऽ	प
क	री	ऽ	के	ऽ	अ	चे	ऽ	त	चे	ऽ	त
पमं	ध	प	रे	ग	रे	स					
ह	री	के	ज	त	न	में					

© NCERT not to be republished

राग यमन (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			

स्थायी

								नि़	रेरे	नि़नि़	गग	रे–	रे,नि़	–नि़,	रे
								दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर	दा
ग	–	–	पप	रे	गग	रे	स								
दा	ऽ	ऽ	दिर	दा	दिर	दा	रा								

अंतरा

ग	–	–	रेरे	ग	मं	ध	–	मं	निनि	धध	पप	मं–	मं,रे	–रे	ग
दा	ऽ	ऽ	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दा	र,दा	ऽर,	दा
मं	निनि	ध	प	रे	ग	रे	स								
दा	दिर	दा	रा	दा	रा	दा	रा								

उस्ताद मुश्ताक अली खान साहब की बंदिश

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			

स्थायी

						मंमं	पप	मं–	मं,ग	–ग	रेरे	ग	मंमं	ध	नि
						दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर	दिर	दा	दिर	दा	रा
प	–	–	मं	ग	रे										
दा	ऽ	ऽ	दा	दा	रा										

अंतरा

प	–	–	मं	ग	रे	ग	मं	प	मंमं	रेरे	गग	रे–	रे,नि़	–नि़	रे
दा	ऽ	ऽ	दा	दा	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
ध़	नि़नि़	ध़,	नि़	–	रे	ग	रे	ग	मंमं	पप	मंमं	ध–	धनि	–सं	नि
दा	दिर	दा,	दा	ऽ	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
मंप	धनी	संनी	धप	मंग	रेस										
दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा										

© NCERT not to be republished

राग यमन (तीन ताल)—मसीतखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2					0			3			
स्थायी															
											ऩिऩि	रे	गग	म॑	प
											दिर	दा	दिर	दा	रा
नि	ध	प	पप	म॑	रेरे	ग	म॑प	रेग	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
मंझा															
म॑	धध	ऩि	रे	ग	रेरे	ग	म॑प	रेग	रे	स					
दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
अंतरा															
											पप	म॑ग	म॑म॑	ध	नि
											दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	सं	स	संसं	नी	धध	नी	रें	गं	रें	सं					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
											गंगं	रें	संसं	नि	सं
											दिर	दा	दिर	दा	रा
नि	ध	प	पप	म॑	रेरे	ग	म॑प	रेग	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					

© NCERT not to be republished

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग यमन पर आधारित हैं–

तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ

(**भजन**— श्री रामचन्द्र कृपालु भजमन, **गायिका**— लता मंगेशकर)

अभी ना जाओ छोड़कर, कि दिल अभी भरा नहीं

(**चित्रपट**— *हम दोनों* (1961), **गायिका**— आशा भोंसले **गायक**—मोहम्मद रफ़ी, **संगीतकार**— जयदेव, **गीतकार**— साहिर लुधियानवी)

आये हो मेरी ज़िन्दगी में, तुम बहार बनके

(**चित्रपट**— *राजा हिंदुस्तानी* (1996), **गायक**— उदित नारायण, **संगीतकार**— नदीम श्रवण, **गीतकार**— समीर)

इन्हीं लोगों ने ले लीना, दुपट्टा मेरा

(**चित्रपट**— *पाक़ीजा* (1972), **गायिका**— लता मंगेशकर, **संगीतकार**— गुलाम मोहम्मद और नौशाद, **गीतकार**— मज़रूह सुल्तानपुरी)

अभ्यास

आइये, देखते हैं क्या राग यमन को पढ़कर हम निम्न प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं–

1. तीव्र मध्यम का चिह्न कैसा होता है?
2. राग यमन का आरोह तथा अवरोह लिखिए।
3. राग यमन में वर्जित स्वर कौन-सा है?
4. राग यमन को दूसरे किस नाम से प्रसिद्धि मिली हुई है?
5. 'आये हो मेरी जिंदगी में, तुम बहार बनके' किस फिल्म का गीत है तथा यह किस राग पर आधारित है?
6. *पाकीज़ा* फिल्म जो 1972 में प्रदर्शित हुई, इसका कौन सा गीत राग यमन पर आधारित है तथा इसके गीतकार व गायक कौन हैं?

© NCERT not to be republished

7. राग यमन पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा उसके लक्षण बताइए।
8. राग यमन पर आधारित कोई एक बंदिश की स्वरलिपि लिखिए।

सही या गलत बताइए–

1. राग यमन का गायन समय रात्रि का तृतीय प्रहर है। (सही/गलत)
2. यह एक गंभीर प्रकृति का राग भी है। (सही/गलत)
3. 'अभी ना जाओ छोड़कर, कि दिल अभी भरा नहीं' गीत यमन राग पर आधारित गीत नहीं है। (सही/गलत)
4. राग यमन का अवरोह सं नि ध प, म ग रे स है। (सही/गलत)
5. 'इन्हीं लोगों ने ले लीना दुपट्टा मेरा', गीत लता मंगेशकर द्वारा गाया गया है तथा मजरूह सुल्तानपुरी द्वारा लिखा हुआ है। (सही/गलत)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग यमन का गायन समय _____ है।
2. राग यमन की जाति _____ है।
3. राग यमन का वादी स्वर _____ तथा संवादी स्वर _____ है।
4. यह _____ थाट का आश्रय राग है।
5. राग यमन _____ सप्तकों में गाया जाता है।

आइये, पाठ्यक्रम से हटकर कुछ भिन्न बातों पर भी चर्चा करें–

1. किसी कलाकार को कभी आपने राग यमन गाते सुना है? उनकी गाई या बजाई बंदिशें आपको कैसी लगीं? उनकी विशेषताओं को शब्दों में लिखिए।
2. क्या आप फिल्में देखते हैं, अगर हाँ तो क्यों? क्या इसके पीछे कोई वैज्ञानिक कारण भी है? अपने शब्दों में लिखिए।

© NCERT not to be republished

राग भूपाली

आरोही अवरोहि में सुर मनि कीन्हें त्याग।
ध – ग संवादी-वादि तें कहि राग भूपाल।।

राग चन्द्रिकासार

राग विवरण

यह राग कल्याण थाट का राग है। इस राग में मध्यम तथा निषाद दोनों स्वर पूर्णत: वर्जित हैं अत: इसकी जाति औड्व औड्व है। इसका वादी गंधार तथा संवादी धैवत है। यह पूर्वांग प्रधान राग है। यह गंभीर प्रकृति का राग है। इसमें ध्रुपद, बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल व तराना गाया जाता है। इस राग में मसीतखानी तथा रज़ाखानी दोनों ही बजाई जाती हैं। इसमें ठुमरी नहीं गाई जाती है। गायन समय रात्रि का प्रथम प्रहर है। दक्षिण भारतीय संगीत में इसे 'मोहनम् राग' कहते हैं।

मुख्य बिंदु

थाट	कल्याण	**गायन समय**	रात्रि का प्रथम प्रहर
वर्जित स्वर	म, नि, अन्य स्वर शुद्ध	**आरोह**	स रे ग प ध सं
जाति षाड्व	औडव औडव	**अवरोह**	सं ध प ग रे स
वादी	ग	**पकड़**	ग रे स ध़, स रे ग, प ग, ध
संवादी	ध		प ग, रे स

भूपाली–त्रिताल (मध्य लय) | स्वरमालिका

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 3

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
ग	ऽ	प	ग	ध	प	ग	ऽ	सं	सं	ध	प	ग	रे	स	रे
सं	प	ध	प	ग	रे	स	ऽ	ग	प	ध	सं	रें	सं	ध	प
अंतरा															
ध	ध	सं	रें	गं	रें	सं	ध	ग	ग	प	ध	प	सं	ऽ	सं
सं	सं	ध	प	ग	रे	स	ऽ	गं	गं	रें	सं	रें	रें	सं	ध

© NCERT not to be republished

राग भूपाली—चौताल (विलंबित)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 3

स्थायी तू हि सूर्य तू हि चंद्र तू हि पवन तू हि अगन तू हि आप तू अकास तू हि धरनि यजमान

अंतरा भव रूद्र उग्र सर्व पशुपती सम समान ईशान भीम सकल तेरे ही अष्ट नाम

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन
×		0		2		0		3		4	
स्थायी											
ग	–	रे	ग		प	ग	–	रे	स	रे	स
तू	ऽ	हि	सू	ऽ	र्य	तू	ऽ	हि	चं स	ऽ	द्र
स	–	ध़	स	ग	रे	स	रे	स	ध़	ध़	प़
तू	ऽ	हि	प प	व	न	तू ध	ऽ	हि	अ	ग	न
स	–	रे	ग	प	ध	सं	–	ध	सं	–	सं
तू	ऽ	हि	अ	ऽ	प प	तू	ऽ	आ	का	ऽ	स
सं	गं	रें	ध्रें	सं	ध	सं	ध	प	ग	रे	स
तू स	ऽ	हि	ध रे	र	नि	य	ज	ऽ	मा	ऽ	न
प	–	ग	ग	–	प						
तू	ऽ	हि	सू	ऽ	र्य						
अंतरा											
ग	प					ध					
प	ग	–	प	सं	ध	सं	–	सं	सं	रे	सं
भ	व सं	ऽ	रु	ऽ	द्र	उ सं	ऽ	ग्र सं	स	ऽ	र्व
सं	ध	–	सं	सं	रें	गं	रें	रें	सं	ध	प
प	शु	ऽ	प सं	ती	ऽ	स	म	स	मा	ऽ	न
प	ग	रे	ग	प	संध	सं	–	सं	सं	रें	सं
ई सं	ऽ	ऽ	शा	ऽ सं	न ऽ	भी	ऽ	म	स	क	ल
गं	रें	–	सं	प	ध	सं	ध	प	ग	रे	स
ते	ऽ	ऽ	रे	ऽ	हि	अ	ऽ	ष्ट	ना	ऽ	म
ग	–	रे	ग	–	प						
तू	ऽ	हि	सू	ऽ	र्य						

© NCERT not to be republished

राग भूपाली—त्रिताल (मध्यलय)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 3

स्थायी दरशन दीजे त्रिभुवन पाली त्रिभुवन नायक बहुसुख दायक विलम करो मत हाली

अंतरा अति उदार गत अगम निगम के रसिकन के रस ख्याली
श्री कमलापति बृज के वासी कर खुशाल प्रति पाली

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								स							
								सं	सं	ध	प	ग	रे	स	–
								द	र	श	न	दी	ऽ	जे	ऽ
	स			रे				प	प	प		प	सं		
स	ध्र	स	रे	ग	–	ग	–	ग	ग	ग	रे	ग	प	ध	ध
त्रि	भु	व	न	प	ऽ	ली	ऽ	त्रि	भु	व	न	ना	ऽ	य	क
ध				ध	सं			ध				रें			
सं	सं	सं	सं	सं	रें	सं	सं	सं	सं	रें	रें	ध	–	सं	सं
ब	हु	सु	ख	दा	ऽ	य	क	वि	ल	म	क	रो	ऽ	म	त
								रे							
पध	सरें	गरें	संसं	पध	संसं	धप	गरे	सं	सं	ध	प	ग	रे	स	–
हाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	लीऽ	द	र	श	न	दी	ऽ	जे	ऽ
अंतरा															
								ग					ध		
								प	प	ग	प	–	प	सं	ध
								अ	ति	उ	दा	ऽ	र	ग	त
								ध	सं						
सं	सं	सं	सं	सं	रें	सं	–	सं	सं	ध	ध	सं	–	रें	रें
अ	ग	म	नि	ग	म	के	ऽ	र	सि	क	न	के	ऽ	र	स
ध				ध				ध	ध			सं			
सं	रें	गं	रें	सं	रें	सं	ध	प	ध	सं	सं	ध	–	प	प
ख्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ली	ऽ	श्री	ऽ	क	म	ला	ऽ	प	ति
प	प			ग				ध	गं						
ग	रे	ग	प	रे	–	स	–	सं	सं	गं	रें	–	सं	रें	सं
बृ	ज	के	ऽ	वा	ऽ	सी	ऽ	क	र	खु	शा	ऽ	ल	प्र	ति
पध	संसं	धप	पध	संसं	धप	गरे	स–								
पा	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	लीऽ								

© NCERT not to be republished

राग भूपाली–त्रिताल (मध्यलय)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 3

स्थायी इतनो जोबन पर मान न करिये डरिये प्रभुसों आज आली

अंतरा जो कोई आवे अपने ढिंगवा तासों गरबन कीजिये सदारंग यह रीत माने

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								ध्र							
								स	सं	ध	प	ग	रे	स	स
								इ	त	नो	जो	ब	न	प	र
स					प			प	प	प		प	सं		
प	ग	प	प	प	ध	ध	–	ग	ग	ग	रे	ग	प	ध	सं
मा	ऽ	न	न	क	रि	ये	ऽ	ड	रि	ये	ऽ	प्र	भु	सों	ऽ
संप	ध	सं	सं	संसं	धप	गरे	स–								
आऽ	ऽ	ऽ	ज	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	लीऽ								
अंतरा															
								प							
								ग	–	ग	ग	प	–	सं	ध
								जो	ऽ	को	इ	आ	ऽ	वे	ऽ
ध								सं	सं			ध			
सं	सं	सं	–	सं	रें	सं	–	ध	–	ध	–	सं	सं	रें	रें
अ	प	ने	ऽ	ढिं	ग	वा	ऽ	ता	ऽ	सों	ऽ	ग	र	ब	न
ध				ध					प						
सं	रें	गं	रें	सं	(सं)	ध	प	प	ग	रे	ग	प	ध	सं	सं
की	ऽ	ऽ	जि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	स	दा	ऽ	रं	ऽ	ग	य	ह
सं															
प	ध	सं	सं	संसं	धप	गरे	स–								
री	ऽ	ऽ	त	माऽ	ऽऽ	ऽऽ	नेऽ								

© NCERT not to be republished

राग भूपाली—ध्रुपद (चौताल)

डागर घराने की बंदिश

स्थायी तान तलवार तार की सिपर लिए फिरत, गुनि अपने मन मानि जहाँ तहाँ बजित तत तुरत
अंतरा सुर कमान बोल वाण छूटे जहाँ लागत रीझत सुझावत विद्याधर फुरत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन
×		0		2		0		3		4	
स्थायी											
संध	सं	सं	प	ग	गप	रे	ऽ	रे	स	–	रे
ता	ऽ	न	त	ऽ	लऽ	वा	ऽ	र	ता	ऽ	र
प	ग	–	ग	ग	ग	ग	ग	ध	प	ग	रे
की	ऽ	ऽ	सि	प	र	लि	ए	ऽ	फि	र	त
ग	प	संध	धसं	सं	–	सं	सं	गरें	गं	रें	रें
गु	नी	अ	पऽ	ने	ऽ	म	न	मा	ऽ	नी	ऽ
सं	सं	ध	प	ध	सं	ध	प	ग	रे	स	स
ज	हाँ	ऽ	त	हाँ	ऽ	ब	जि	त	तु	र	त
अंतरा											
ग	प	संध	सं	–	सं	सं	–	रें	सं	–	सं
सु	र	क	मा	ऽ	न	बो	ऽ	ल	बा	ऽ	ण
सं	सं	ध	सं	गरें	गं	गं	रें	सं	सं	ध	ध
छू	टे	ऽ	ज	हाँ	ऽ	ला	ग	त	री	झ	त
ग	प	संध	ध	संध	ध	सं	सं	सं	सं	सं	सं
सु	झा	व	त	वि	घ्या	ऽ	ध	र	फु	र	त

© NCERT not to be republished

राग भूपाली—तीनताल (मसीतखानी गत)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
											गग	रे	सस	ध़	सरे
											दिर	दा	दिर	दा	रा
[ग]प	ग	ग	रेरे	ग	पप	ध	प	ग	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
मँझा															
											गग	रे	सस	ध़	स
											दिर	दा	दिर	दा	रा
ध़	ध़	प़	ध़ध़	स	रेरे	ग	प	ग	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
अंतरा															
											रेरे	ग	पप	ध	ध
											दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	सं	सं	संसं	ध	धध	सं	रें	गं	रें	सं					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
											गंगं	रे	संसं	ध	सं
											दिर	दा	दिर	दा	रा
ध	ध	प	रेरे	ग	पप	ध	प	ग	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					

© NCERT not to be republished

राग भूपाली—तीनताल (रज़ाखानी गत)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								स	रेरे	ग	रे	स	धध	स	रे
								दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा
ग्प	–	ग	–	रे	रे	ग	–								
दा	ऽ	दा	ऽ	दा	रा	दा	ऽ								
अंतरा															
प	–	ग,	रे	–	ग	प	ध	सं	रेरें	गंगं	रेरें	सं–	सं,ध	ध,	प
दा	ऽ	रा,	दा	ऽ	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
ग	पप	ध	सं	ध	प	ग	रे								
दा	दिर	दा	रा	दा	रा	दा	रा								

राग भूपाली—तीनताल (रज़ाखानी गत)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
						ससं	रेरे	ग–	ग,रे	–रे	ससं	ध़	धध़	स	रे
						दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽरे,	दिर	दा	दिर	दा	रा
ग्प	–	ग	–	रे	ग										
दा	ऽ	रा	ऽ	दा	रा										
अंतरा															
ग्प	–	–,	ग	–	प	ध	सं	सं	रेरें	गंगं	रेरें	सं–	सं,ध	–ध,	प
दा	ऽ	ऽ,	दा	ऽ	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	ऽ,दा	ऽर,	दा
ग	पप	ध,	सं	–	सं										
दा	दिर	दा,	दा	ऽ	रा										

© NCERT not to be republished

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग भूपाली पर आधारित हैं–

चंदा है तू मेरा, सूरज है तू

(**चित्रपट**—*अराधना* (1969), **गायिका**—लता मंगेशकर, **संगीतकार**—सचिन देव वर्मन, **गीतकार**—आनन्द बख्शी)

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरा ना कोई

(**चित्रपट**—*मीरा* (1947), **गायिका**—एम. एस. सुब्बूलक्ष्मी, **संगीतकार**—एस. वी. बैंकटरमन, **गीतकार**—पं. नरेन्द्र शर्मा)

इन आँखों की मस्ती के, मस्ताने हज़ारों हैं

(**चित्रपट**—*उमराव जान* (1981), **गायिका**—आशा भोंसले, **संगीतकार**—खैय्याम, **गीतकार**—हसरत जयपुरी)

पंछी बनूँ, उड़ती फिरूँ, मस्त गगन में

(**चित्रपट**—*चोरी-चोरी* (1956), **गायिका**—लता मंगेशकर, **संगीतकार**—शंकर जयकिशन, **गीतकार**—हसरत जयपुरी)

देखा एक ख्वाब तो ये सिलसिले हुए

(**चित्रपट**—*सिलसिला* (1981), **गायिका**—आशा भोंसले, **गायक**—किशोर कुमार, **संगीतकार**—शिव हरि, **गीतकार**—जावेद अख्तर)

© NCERT not to be republished

अभ्यास

आइये, देखते हैं क्या राग भूपाली को पढ़कर हम निम्न प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं–

1. राग भूपाली की जाति व थाट क्या हैं?
2. राग भूपाली की पकड़ व अवरोह लिखिए?
3. दक्षिण भारतीय संगीत में इसे किस नाम से जानते हैं?
4. इस राग में ठुमरी क्यों नहीं गाई जाती है?

5. आशा भोंसले का कौन-सा गीत राग भूपाली पर आधारित है?
6. राग भूपाली पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा उसका भावार्थ बताइए।
7. राग भूपाली पर आधारित कोई एक बंदिश की स्वरलिपि लिखिए।
8. राग भूपाली का विस्तृत वर्णन करते हुए इस पर आधारित गीत भी लिखिए तथा उनसे संबंधित कलाकारों की भी चर्चा करिए।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग भूपाली का वर्जित स्वर _____ है।
2. इसका गायन समय _____ है।
3. इसका वादी स्वर _____ तथा संवादी स्वर _____ है।
4. इन आँखों की मस्ती के _____ हजारों हैं। गीत को पूर्ण कीजिए।
5. राजकपूर नर्गिस की फिल्म चोरी-चोरी के गीत "पंछी बनूं, उड़ती फिरूं, मस्त गगन में" के गीतकार _____ व गायक कलाकार _____ हैं।

सही या गलत बताइए–

1. दक्षिण भारतीय संगीत में भी इसे भूपाली राग नाम से जाना जाता है। (सही/गलत)
2. यह भूपाली थाट का राग है। (सही/गलत)
3. यह राग उत्तरांग प्रधान राग है। (सही/गलत)
4. फिल्म अराधना का गीत 'चंदा है तू मेरा, सूरज है तू' भूपाली राग पर आधारित गीत नहीं है। (सही/गलत)
5. 'देखा एक ख्वाब तो ये सिलसिले हुए' के गीतकार जावेद अख्तर, गायिका लता मंगेशकर तथा गायक किशोर कुमार है। (सही/गलत)

आइये, पाठ्यक्रम से हटकर कुछ भिन्न बातों पर भी चर्चा करें–

1. राग क्या है? रागों की गायकी का इतना महत्त्व क्यों होता है?
2. मानव जीवन में संगीत के क्या फायदे हैं? आप किस तरह से संगीत से अपने आपको जोड़ते हैं? उदाहरण देकर एक लेख लिखिए (500 शब्दों में)।

© NCERT not to be republished

राग अल्हैया बिलावल

थाट बिलावल प्रथम दिवस उतरत दोउ निषाद।
आरोहन मध्यम तजि कर, मानत ध ग सम्वाद।।

राग परिचय–2, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव

राग विवरण

यह राग बिलावल थाट से उत्पन्न राग है। इस राग में सभी स्वर शुद्ध प्रयोग किये जाते हैं। इसकी जाति संपूर्ण है। इसका वादी स्वर धैवत तथा संवादी स्वर गंधार है। यह उत्तरांग प्रधान राग है अर्थात् इसका वादी स्वर धैवत सप्तक के उत्तरांग (म प ध नि सं) से लिया गया गया है। यह जानकारी होना भी अति आवश्यक है कि बिलावल और अल्हैया बिलावल दोनों अलग-अलग राग हैं। राग बिलावल इसका मिलता-जुलता राग है किंतु उसमें कोमल निषाद का प्रयोग नहीं होता है। इसका गायन समय दिन का प्रथम प्रहर है।

मुख्य बिंदु

थाट	बिलावल
जाति षाड्व	संपूर्ण
वादी	ध
संवादी	ग
गायन समय	रात्रि का प्रथम प्रहर
आरोह	स ग रे ग प ध नि सं
अवरोह	सं नि ध प, ध नि ध प,म ग म रे, स
पकड़	ग रे ऽ ग प, म ग म रे ग प ध नि ध प

© NCERT not to be republished

बिलावल–त्रिताल (16 मात्राएँ)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 2

स्थायी तू ही आधार सकल त्रिभुवन को पालक सच राचर भू तन को

अंतरा तू ही विष्णू तू नारायण कारण तू पर ब्रह्म जगत को।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
												प			ध
												ग	प	नि	नि
												तू	ऽ	हि	आ
				नि								म			
सं	–	सं	सं	सं	रें	सं	नि	ध	प	मग	मरे	ग	म	प	मग
धा	ऽ	र	स	क	ल	त्रि	भु	व	न	कोऽ	ऽऽ	पा	ऽ	ल	कऽ
				नि											
म	रे	स	–	ध	नि	सं	नि	ध	प	मग	मरे				
स	च	रा	ऽ	च	र	भू	ऽ	त	न	कोऽ	ऽऽ				
अंतरा															
														प	ध
												प	–	नि	नि
												तू	ऽ	ही	ऽ
				नि		रें						नि			
सं	–	सं	–	सं	गं	गं	मं	गं	रें	सं	सं	सं	–	गं	रें
वि	ऽ	ष्णु	ऽ	तू	ऽ	ना	ऽ	रा	ऽ	य	न	का	ऽ	र	न
		नि		नि											
सं	–	ध	प	ध	नि	सं	संनि	ध	प	मग	मरे				
तू	ऽ	प	र	ब्र	ऽ	ह्म	जऽ	ग	त	कोऽ	ऽऽ				

© NCERT not to be republished

अल्हैया बिलावल–त्रिताल (मध्य लय)–लक्षणगीत

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 2

स्थायी तब कहत बिलावल भेद चतुर जब मेल मिलावत शुद्ध सुरन को
प्रात समय नित प्रथम प्रहर

अंतरा धैवत वादी ग समवादी अष्ट भेद सब गाय मधुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
							नि	नि		ग	रे	ग			ध
						सं	सं	ध	प	म	ग	प	–	नि	नि
						त	ब	क	ह	त	बि	ला	ऽ	व	ल
					ध										
सं	–	सं	सं	नि	नि	प	प	धनि	सरें	सं	संनि	ध	प	म	ग
मे	ऽ	द	च	तु	र	ज	ब	मेऽ	ऽऽ	ल	मिऽ	ला	ऽ	व	त
															ध
ग	रे	ग	म	ग	रे	स	–	स	म	ग	प	प	–	नि	नि
शु	ऽ	द्ध	सु	र	न	को	ऽ	प्रा	ऽ	त	स	मै	ऽ	नि	त
		रें			ध										
सं	गं	सं	सं	नि	नि	सं	सं								
प्र	थ	म	प्र	ह	र,	त	ब								
अंतरा															
											ध				
								प	–	नि	नि	सं	–	सं	–
								धै	ऽ	व	त	वा	ऽ	दी	ऽ
		रें		गं				मं			मं				
निसं	गं	गं	मं	रें	–	सं	–	गं	मं	पं	गं	मं	रें	सं	सं
गाऽ	ऽ	सम	ऽ	वा	ऽ	दी	ऽ	अ	ऽ	ष्ट	भे	ऽ	द	स	ब
धनि	सरें	सं	संनि	ध	नि	सं	सं								
गाऽ	ऽऽ	य	मऽ	धु	र,	त	ब								

© NCERT not to be republished

बिलावल (मध्य लय)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 2

स्थायी जाग उठे सब जन तुम जागो, गौवन के चर वाल चरैया

अंतरा ग्वाल बाल सब गौव चरावत, तुमरे कारन आवत धावत, सदारंग मन तुम सों लागो

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								गं		सं					
								सं	–	ध	प	म	ग	म	रे
								जा	ऽ	ग	उ	ठे	ऽ	स	ब
म				ग				नि		म		प		सं	ध
ग	म	प	मग	म	रे	स	–	स	–	ग	मरे	ग	प	नि	नि
ज	न	तु	मऽ	जा	ऽ	गो	ऽ	गौ	ऽ	व	नऽ	के	ऽ	च	र
		सं					गरे								
सं	–	रें	सं	सरें	संनि	धप	मग								
वा	ऽ	ल	च	रैऽ	ऽऽ	ऽऽ	याऽ								
अंतरा															
										प	ध				
								प	–	नि	नि	सं	सं	सं	सं
								ग्वा	ऽ	ल	बा	ऽ	ल	स	ब
नि		रें								नि					
सं	गं	गं	मं	गं	रें	सं	सं	प	प	ध	नि	सं	–	सं	सं
गौ	ऽ	व	च	रा	ऽ	व	त	तु	म	रे	ऽ	का	ऽ	र	न
नि			मं					प	म		प			सं	ध
सं	गरें	गंमं	पंमं	गं	रें	सं	सं	ग	ग	मरे	ग	प	प	नि	नि
आ	ऽऽ	ऽव	तऽ	धा	ऽ	व	त	स	दा	ऽऽ	रं	ऽ	ग	म	न
नि							गरे								
सं	रें	सं	–	सरें	संनि	धप	मग								
तु	म	सों	ऽ	लाऽ	ऽऽ	ऽऽ	गोऽ								

© NCERT not to be republished

अल्हैया बिलावल (तीनताल)—मसीतखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
											गरे	ग	पप	नि	–
											दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	सं	सं	संसं	नि	ध	ध	प	मगम	रे	ग					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा– –	दा	रा					
मंझा															
											सस	नि़	ध़	ध़	प़
											दिर	दा	दिर	दा	रा
ध़	नि़	स	रेरे	ग	पप	म	ग	मगम	रे	ग					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा– –	दा	रा					
अंतरा															
									गग निध	नि	सं	ग	पप	निध	नि
									दा	दा	रा	दा	दिर	दा	रा
सं	सं	सं	संसं	नि	ध़नि	ध	प	मगम	रे	ग					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा– –	दा	रा					
												रें	संसं	नि	धनि
												दा	दिर	दा	रा
सं	सं	सं	संसं	नि	ध	ध	प	मगम	रे	ग					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा– –	दा	रा					

© NCERT not to be republished

अल्हैया बिलावल (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
					गग	मम		ग–	ग,रे	–रे,	गग	प	पप	नि	–
					दिर	दिर		दाऽ	र,दा	ऽर,	दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	–	ध		ध	प										
दा	ऽ	दा	रा	दा	रा										
अंतरा															
सं	–	–,	सं	नि	सं	ध	नि	सं	रेंरें	निनि	संसं	नि–	नि,ध	–ध,	प
दा	ऽ	र,	दा	दा	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
सं	निनि	ध	ध	ध	प										
दा	दिर	दा	रा	दा	रा										

अल्हैया बिलावल (तीनताल) रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
											ग	प	ऩिध	–	नि
											दा	रा	दा	ऽ	रा
सं	–	संसं	नि	ध–	निध	–ध,	प	म	–	ग					
दा	ऽ	दिर	दा	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा	दा	ऽ	रा					
अंतरा															
सं	–	–,	सं	–नि	रें,	नि	–सं	नि,	ध	–नि	ध	प	–प	ध,	म
दा	ऽ	र,	दा	ऽर	दा,	दा	ऽर	दा,	दा,	ऽर	दा	दा	ऽर	दा,	दा
–म	ग,	रे	गग	प	म	ग	–ग	म	रे	–	स	मम	ग	म	रे
ऽर	दा,	दा	दिर	दा	रा	दा	ऽर	दा	दा	ऽ	रा	दिर	दा	रा	दा
–रे	ग	प	ध	नि	रें	संनि	धप	मग	रेस	ऩिस					
ऽरे	दा	दा	रा	दा	रा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा					

© NCERT not to be republished

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग अल्हैया बिलावल पर आधारित हैं–

एक प्यार का नग़मा है, मोजों की रवानी है

(**चित्रपट**— *शोर* (1978), **गायिका**— लता मंगेशकर, **गायक**— मुकेश कुमार, **संगीतकार**— लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, **गीतकार**— संतोष आनन्द)

तुमको देखा तो ये खयाल आया

(**चित्रपट**— *साथ-साथ* (1992), **गायक**— जगजीत सिंह, **संगीतकार**— कुलदीप सिंह, **गीतकार**— जावेद अख्तर)

सारे के सारे, गा मा को लेकर गाते चले

(**चित्रपट**— *परिचय* (1972), **गायक**— किशोर कुमार, **गायिका**— आशा भोंसले, **संगीतकार**— राहुल देव वर्मन, **गीतकार**— गुलज़ार)

बहती हवा सा था वो, उड़ती पतंग सा था वो

(**चित्रपट**— *3 इडियट्स* (2009), **गायक**— शान एवं शान्तनु मोइत्रा, **संगीतकार**— शान्तनु मोइत्रा, **गीतकार**— सवानन्द किरकिरे)

© NCERT not to be republished

अभ्यास

आइये, देखते हैं क्या राग अल्हैल्या बिलावल को पढ़कर हम निम्न प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं–

1. राग अल्हैया बिलावल की जाति बताइए।
2. इस राग में कौन-कौन से स्वर शुद्ध प्रयोग किये जाते हैं?
3. राग अल्हैया बिलावल का गायन समय बताइए।
4. राग अल्हैया बिलावल का आरोह और अवरोह लिखिए।
5. राग अल्हैया बिलावल पर आधारित कोई दो गीत लिखिए तथा संबंधित कलाकारों के नाम भी लिखिए।
6. राग अल्हैया बिलावल की पकड़ को स्वरों में प्रदर्शित करिए।

7. राग अल्हैया बिलावल पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा उसके लक्षण बताइए।
8. राग अल्हैया बिलावल पर आधारित कोई एक बंदिश की स्वरलिपि लिखिए।
9. राग अल्हैया बिलावल का विस्तृत वर्णन करते हुए इस पर आधारित गीत भी लिखिए तथा उनसे संबंधित कलाकारों की भी चर्चा करिए।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग अल्हैया बिलावल का थाट _____ है।
2. इसका वादी _____ और संवादी _____ है।
3. बिलावल और अल्हैया बिलावल दोनों _____ राग हैं।
4. इस राग में _____ स्वर के दोनों रूप प्रयोग होते हैं।
5. "तुमको देखा तो ये ख्याल आया", गीत _____ फिल्म में गाया गया है।

सही या गलत बताइए–

1. यह राग उत्तरांग प्रधान राग नहीं है। (सही/गलत)
2. बिलावल और अल्हैया बिलावल दोनों एक ही राग हैं। (सही/गलत)
3. 'इक प्यार का नग़मा है, मोजों की रवानी है', गीत अल्हैया बिलावल राग पर आधारित गीत नहीं है। (सही/गलत)
4. फिल्म *3 इडियट्स* का गीत 'बहती हवा सा था वो' सवानन्द किरकिरे ने लिखा है। (सही/गलत)
5. यह राग प्रातःकालीन प्रथम प्रहर का राग है। (सही/गलत)

आइये, पाठ्यक्रम से हटकर कुछ भिन्न बातों पर भी चर्चा करें–

1. राग बिलावल एक प्रातःकालीन राग है और भी कोई राग आपने सीखा है जो प्रातःकाल गाया जाता है। अपने शब्दों में लिखिए।
2. अपने घर परिवार या आसपास के प्रचलित लोक संगीत या अन्य किसी लोक संगीत या शैली के बारे में लिखिए। उन कलाकारों का भी उल्लेख करिए जो इस विधा से जुड़े हुए हैं।

© NCERT not to be republished

राग भैरवी

रे ग ध नि कोमल राखत, मानत मध्यम वादी।
प्रात समय जाति संपूर्ण, सोहत सा संवादी।।

राग परिचय–1, हरिशचंद्र श्रीवास्तव

राग विवरण

यह राग भैरवी थाट से उत्पन्न राग है इसलिए यह राग आश्रय राग की श्रेणी में आता है। इसमें रिषभ, गंधार, धैवत व निषाद स्वर कोमल प्रयोग किये जाते हैं तथा अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं। इस राग में कोई भी स्वर वर्जित नहीं होता अतः इसकी जाति संपूर्ण-संपूर्ण होगी। वादी स्वर मध्यम तथा संवादी षड्ज होता है। यह प्रातःकालीन राग है। इसमें छोटा ख्याल, तराना, टप्पा तथा ठुमरी मुख्यतः गाए बजाए जाते हैं इसलिए यह चंचल प्रकृति का राग माना जाता है। कर्नाटक संगीत में इसे 'हनुमत्त तोड़ी' के नाम से जाना जाता है।

मुख्य बिंदु

थाट	भैरवी
जाति	संपूर्ण-संपूर्ण
लगने वाले स्वर	रे ग ध नि कोमल तथा अन्य स्वर शुद्ध
वर्जित स्वर	कोई नहीं
वादी	मध्यम
संवादी	षड्ज
गायन समय	प्रातःकाल
आरोह	स रे ग म प ध नि सं
अवरोह	सं नि ध प म ग रे स
पकड़	म ग, स रे स, ध़ नि़ स

© NCERT not to be republished

राग भैरवी—त्रिताल (मध्य लय)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 2

स्थायी कैसी ये भलाई रे कन्हाई, पनियाँ भरत मोरी गगरी गिराइ, करके लराइ

अंतरा सनद कहे ऐसो ढीठ भयो कन्हाई, का करूँ माने नहिं मानत कन्हाई करत लराइ

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
												स			
												नि़	स	ग़	म
												कै	सी	ये	भ
								प						म	
(ध़)	–	ध़	प	–	ध़	प	प	म	प	म	ध़	प	म	ग़	रे़
ला	ऽ	ई	रे	ऽ	क	न्हा	ई	प	नि	याँ	भ	र	त	मो	री
म						म		रे							
ग़	प	ध़	नि़	ध़	प	ग़	म	ग़	रे़	स	स				
ग	ग	री	गि	रा	इ	क	र	के	ल	रा	इ				
अंतरा															
								ध़	म	ध़	नि़	सं	–	सं	नि़
								स	न	द	क	हे	ऽ	ऐ	सो
				रें़	गं			प					प	म	
सरें़	गं	रें़	गं	सं	रें़	सं	सं	ध़	–	ध़	ध़	प	ग़	ग़	रे
ढीऽ	ऽ	ठ	भ	यो	क	न्हा	ई	का	ऽ	क	रूँ	मा	ने	न	हिं
					म			रे							
ग़	प	ध़	नि़	ध़	प	ग़	म	ग़	रे़	स	स				
मा	न	त	क	न्हा	ई	क	र	त	ल	रा	इ				

© NCERT not to be republished

राग भैरवी (दीपचंदी)—रचनाकार- पं. प्रेमप्रकाश जौहरी (मेरठ)

स्थायी डोले रे जीवन मदमाती गुज़रिया, देखो नाही लागे काहू की नज़रिया

अंतरा गजगामिनी सी जात कुँजन में, कोई पूछे जाना है कौन नगरिया

1	2	3	5	6	7	8	9	10	11	13	14	15	16
धा	धिं	ऽ	धा	धा	धिं	ऽ	ता	तिं	ऽ	धा	धिं	धिं	ऽ
×			2				0			3			
स्थायी													
स	ग़	–	रे़	–	ग़	–	रे़	स	–	स	रे़	नी़	–
डो	ले	ऽ	रे	ऽ	जो	ऽ	ब	न	ऽ	म	ऽ	द	ऽ
स	–	–	स	–	–	रे़	ग़	म	–	ग़	रे़	ग़	स
मा	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	गु	ज	रि	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	–	प	–	प	–	धप़	ध़	–	म	–	–	–
दे	खो	ऽ	ना	ऽ	ही	ऽ	ला़ऽ	ऽ	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ
ग़	ग़	–	म	–	–	म	ग़	म	–	ग़	रे़	ग़	स
का	हू	ऽ	की	ऽ	ऽ	न	ज	रि	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
अंतरा													
सं	सं	–	ध़	–	–	नी़	सं	–	–	सं	–	–	–
ग	ज	ऽ	गा	ऽ	ऽ	मि	नी	ऽ	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ
नी़	–	–	सं	–	–	सं	रें़	सं	–	ध़	–	प	–
जा	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽ	कुँ	ज	न	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ
प	नी़	–	ध़	–	म	–	ध़	प	–	ग़	–	म	–
को	ई	ऽ	पू	ऽ	छे	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ
रे़	ग़	ऽ	ध़	–	म	म	रे़	ग़	–	रे़	–	स	–
कौ	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	न	ग	रि	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ

© NCERT not to be republished

राग भैरवी (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
												नि़	सस	ग	म
												दा	दिर	दा	रा
प	–	ध़	प	ग़	रे़	गग़	मम	ग़–	ग़,रे़	–स,	रेरे़				
दा	ऽ	दा	रा	दा	रा	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दिर				
अंतरा															
प	–	–,	ग़	–	म	ध़	नि़	सं	रेंरें	संसं	नि	ध़–	ध़,प	–म,	प
दा	ऽ	ऽ,	दा	ऽ	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
ग़	मम	ध़	नि़	सं	–	नि़	ध़	प	मम	ग़	रे़				
दा	दिर	दा	रा	दा	ऽ	दा	रा	दा	दिर	दा	रा				

राग भैरवी (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
						धध़	नि़	ध़	प	धध़	मम	प–	प,ग़	–ग़	म
						दिर	दा	रा	दा	दिर	दिर	दाऽ	र,ध़	ऽर,	दा
प	–	प	ध़	म	प										
दा	ऽ	दा	रा	दा	रा										
अंतरा															
प	–	गग़	मम	ग़–	ग़,रे़	–रे़,	स	स	रेरे़	गग़	मम	ग़–	ग़,रे़	–रे़,	स
दा	ऽ	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
ध़	पप	ध़,	ग़	–ग़	म	धध़	नि	सं	रें़	गं़	रें़	नि	गं़	–गं़,	रें़
दा	दिर	दा,	दा	ऽर	दा	दिर	दा	रा	दिर	दा	रा	दा	दा	दिर	दा
रें़	–रें़	सं	ध़	–ध़	प										
दा	ऽर	दा	दा	ऽर	दा										

© NCERT not to be republished

राग भैरवी (तीनताल)—मसीतखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
											सरे	नि़	सस	ग	म
											दिर	दा	दिर	दा	रा
प	ध	प	गरे	ग	पप	ध	प	गम	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
मंझा															
											रेरे	नि़	सस	नि़	ध़
											दिर	दा	दिर	दा	रा
प़	ध़ध़	नि़	स	ग	रेरे	ग	म	रे	रे	स					
दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
अंतरा															
											धप	ग	मम	ध	नि
											दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	रें	सं	निनि	नि	निनि	सं	रें	निसं	ध	प					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
											गंमं	रें	संसं	नि	सं
											दिर	दा	दिर	दा	रा
ध	प	प	निध	प	धप	म	प	गम	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग भैरवी पर आधारित हैं।

आवारा हूँ या गर्दिश में हूँ आसमान का तारा हूँ

(**चित्रपट**—*आवारा* (1951), **गायक**—मुकेश, **संगीतकार**—लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, **गीतकार**—शैलेन्द्र)

© NCERT not to be republished

भोर भये पनघट पे, मोरी

(**चित्रपट**—*सत्यम् शिवम् सुन्दरम्* (1978), **गायिका**—लता मंगेशकर, **संगीतकार**—लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, **गीतकार**—जावेद अख्तर)

दुनिया बनाने वाले, क्या तेरे मन में समायी

(**चित्रपट**—*तीसरी कसम* (1966), **गायक**—मुकेश, **संगीतकार**—शंकर जयकिशन, **गीतकार**—सवानन्द किरकिरे)

अभ्यास

आइये, देखते हैं क्या राग भैरवी को पढ़कर हम निम्न प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं–

1. राग भैरवी पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा उसका भावार्थ बताइए।
2. राग भैरवी में एक विलंबित ख्याल की बंदिश स्वरलिपि में लिखिए।

विभाग 'अ' के शब्दों का 'आ' विभाग में दिए गए शब्दों से मिलान करें–

अ	आ
(क) राग भैरव का थाट	1. प्रात:कालीन संधि प्रकाश राग
(ख) कोमल स्वर	2. स रे ग म प ध नि सं
(ग) गायन समय	3. भोर भए पनघट पे
(घ) आरोह	4. रे ग ध नि
(ङ) अवरोह	5. भैरवी
(च) आधारित गीत	6. सं नि ध प म ग रे स

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग भैरवी की जाति _____ है।
2. इसका वादी _____ और संवादी _____ स्वर है।
3. भैरवी राग के समप्रकृति राग _____ व _____ हैं।
4. राग भैरवी अपने थाट का _____ राग है।
5. 'मेरे देश की धरती' गीत _____ फिल्म से लिया गया है।

© NCERT not to be republished

सही या गलत बताइए–

1. राग भैरवी चंचल प्रकृति का राग है। (सही/गलत)
2. भैरवी राग का गायन समय संध्याकाल है। (सही/गलत)
3. फिल्म *आवारा* का गीत 'आवारा हूँ' के संगीतकार व गीतकार शैलेंद्र हैं। (सही/गलत)
4. यह राग 'भैरवी' थाट का आश्रय राग है। (सही/गलत)
5. 'राग तोड़ी' भैरवी का समप्रकृति राग है। (सही/गलत)

राग भीमपलासी

जब काफी के मेल में, आरोहन रि ध त्याग।
तृतीय प्रहर दिन ग, नि कोमल, मानत म स संवाद।।

राग परिचय–1, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव

राग विवरण

यह राग काफी थाट का राग है। इसमें ग व नि कोमल तथा शेष शुद्ध स्वर लगते हैं। इसके आरोह में रे व ध वर्जित तथा अवरोह संपूर्ण होता है जिसके कारण इसकी जाति औड़व-संपूर्ण होगी। इसका वादी-संवादी म-स तथा गायन समय दिन का तृतीय प्रहर है। इस राग में स म व प ग की संगति बार-बार दिखायी जाती है। यह एक गंभीर प्रकृति का पूर्वांग प्रधान राग है। इसका सम प्रकृति राग बागेश्री है। इसे कर्नाटक पद्धति में आभेरी नाम से जाना जाता है। इसमें दादरा या ठुमरी गाने का प्रचलन नहीं है।

मुख्य बिंदु

थाट	काफी
वर्जित स्वर	आरोह में रे, ध अन्य स्वर शुद्ध
कोमल स्वर	ग नि
वादी-संवादी	म-स
गायन-समय	दिन का तृतीय प्रहर
रस	शृंगार रस
आरोह	नि॒ स, ग म प, नि सं
अवरोह	सं नि ध प, म प ग म ग रे स
पकड़	नि॒ स म, प ग म, ग रे स

© NCERT not to be republished

भीमपलासी (छोटा ख्याल) (तीनताल)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 3

स्थायी जा जा रे अपने मन्दिरवा, सुन पावेगी सास ननदिया

अंतरा सुनहो सदारंग तुमको चाहत है, क्या तुम हमको छगन दिया जा जा रे अपने मन्दिरवा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								म							
							प	ग	–	रे	स	रे	नि़	स	–
							जा ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	अ	प	ने	ऽ
नि़		स			म			म	म						
स	–	म	म	म	–	नि	प	ग	ग	रे	स	रे	नि़	स	–
मं	ऽ	दि	र	वा	ऽ	जा	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	अ	प	ने	ऽ
नि़	स				म				सं						
स	–	म	म	म	–	ग	म	प	नि	सं	गं	रें	–	सं	–
मं	ऽ	दि	र	वा	ऽ	सु	न	पा	ऽ	वे	ऽ	गी	ऽ	स	ऽ
				म											
रें	नि	सं	प	ग	–	प	–								
स	न	न	दि	या	ऽ,	जा	ऽ								
अंतरा															
														म	
								प	प	प	म	प	–	ग	म
								सु	न	हो	स	दा	ऽ	रं	ग
	सं	सं						सं	सं						
प	प	नि	नि	सं	सं	सं	–	नि	नि	सं	गं	रें	रें	सं	–
तु	म	को	चा	ह	त	है	ऽ	क्या	ऽ	तु	म	ह	म	को	ऽ
सं								म	म						
नि	नि	सं	सं	प	म	नि	प	ग	ग	रे	स	रे	नि़	स	–
छ	ग	न	दि	या	ऽ,	जा	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	अ	प	ने	ऽ

राग भीमपलासी–द्रुत ख्याल (चौताल)

स्थायी कुंजन में रच्यो रास, अद्भुत गति लिए गोपाल।
कुंडल की झलक देख, कोटि मदन ढीठ कियो।।

अंतरा अधर तो सुरंग रंग, बाँसुरी गोपाल संग, तेरी छवि देख-देख, मेरो मन अटक्यो।।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन
×		0		2		0		3		4	
स्थायी											
ग़	रे	मग़	मग़	ग़	–	स	स	रे	नी़	सनी़	मस
कुं	ऽ	ज	न	में	ऽ	र	च्यो	ऽ	ऽ	रा ऽ	स ऽ
रे	स	रे	नी़	स	प	ग़	म	नि	स	–	स
अ	द्	भु	त	ग	ति	लि	ये	गो	पा	ऽ	ल
नी़	स	ग़	म	म	प	प	प	प	म	प	प
कुं	ऽ	ड	ल	की	ऽ	झ	ल	क	दे	ऽ	ख
प	म	ग़	म	प	नी	नीसं	नीप	ध	म	ग़	स
को	ऽ	टि	म	द	न	ढी	ठ	कि	यो	ऽ	ऽ
अंतरा											
प	म	ध	प	–	पम	नीप	संनी	प	संनी	सं	सं
अ	ध	र	तो	ऽ	सु	रंऽ	ऽऽ	ग	रंऽ	ऽ	ग
संनी	संनी	संनी	नीसं	––	संगं	रेसं	––	नीसं	नीप	–	प
बांऽ	ऽऽ	सुऽ	रीऽ	ऽऽ	गोऽ	पाऽ	ऽऽ	लऽ	संऽ	ऽ	ग
प	–	ग़	–	म	मप	ग़	स	स	स	–	स
ते	ऽ	री	ऽ	छ	विऽ	दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख
संनी	–	नी	–	प	संनी	सं	नीप	ध	म	ग़	स
में–	ऽ	रो	ऽ	म	नऽ	अ	टऽ	क्यो	ऽ	ऽ	ऽ

© NCERT not to be republished

राग भीमपलासी (तीनताल)—मसीतखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
											मग़	रे	सस	नि़	स
											दिर	दा	दिर	दा	रा
म	म	म	मप	ग़	सस	ग़	मप	ग़	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
मंझा															
											मग़	रे	सस	नि़	स
											दिर	दा	दिर	दा	रा
नि़	ध़	प़	मम	प़	नि़नि़	नि़	सम	ग़	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
अंतरा															
											मप	ग़	मम	प	नि
											दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	सं	सं	नि	नि	संगं	रें	सं	नि	ध	प					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
											मंगं	रें	संसं	नि	सं
											दिर	दा	दिर	दा	रा
नि	ध	प	मम	प	नि	ध	प	मग़	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					

© NCERT not to be republished

राग भीमपलासी (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								प	निनि	ध	प	म	पप	ग	म
								दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा
प	–	ग	म	ग	रेरे	स	स								
दा	ऽ	दा	रा	दा	दिर	दा	रा								
								नि़	सस	म	ग	रे	सस	नि़	ध़
								दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा
म	प़प़	नि़नि	सस	म–	ग,रे	–रे,	स								
दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा								
अंतरा															
								प	पप	म	प	ग	मम	प	नि
								दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा
सं	–	सं	सं	नि	निनि	सं	सं								
दा	ऽ	दा	दा	दा	दिर	दा	रा								
								मं	मंमं	गं	रें	सं	नि–	ध	प
								दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा
प	मम	गग	मम	ग–	ग,रे	–रे,	स								
दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा								

© NCERT not to be republished

राग भीमपलासी (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								निनि	ध	प	म	प	ग	–ग	म
								दिर	दा	रा	दा	रा	दा	ऽर	दा
प	–	–,	ग	म	ग	रे	स								
दा	ऽ	ऽ,	दा	रा	दा	रा	दा								
अंतरा															
								नि़	स	मम	मम	ग–	ग,रे	–रे,	सस
								दा	रा	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दिर
नि़नि़	नि़नि़	स,	ग	–ग	म	प	नि								
दिर	दिर	दा,	दा	ऽर	दा	दा	रा								
								सं	गं	रेंरें	संसं	नि–	नि,ध	–ध,	प
								दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
म	पप	म,	ग	–ग	म,	प	नि								
दा	दिर	दा,	दा	ऽर	दा,	दा	रा								
								सं	–	–,	ग	–ग	म,	प	–
								दा	ऽ	ऽ,	दा	ऽर	दा,	दा	ऽ
–,	नि़	स	मम	ग–	ग,रे	–रे	सस								
ऽ,	दा	रा	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दिर								

© NCERT not to be republished

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग भीमपलासी पर आधारित हैं–

तुम मिले, दिल खिले

(**चित्रपट**— *क्रिमिनल* (1995), **गायक**— कुमार सानू, **गायिका**— अल्का याज्ञनिक, **संगीतकार**— एम.एम.क्रीम, **गीतकार**— इंदीवर)

ऐ अजनबी तू भी कभी

(**चित्रपट**— *दिल से* (1998), **गीतकार**— गुलज़ार, **संगीतकार**— ए.आर.रहमान, **गायिका**— महालक्ष्मी अय्यर, **गायक**— उदित नारायण)

दिल के टुकड़े-टुकड़े

(**चित्रपट**— *दादा* (1979), **गायक**— येशुदास, **संगीतकार**— जुगल किशोर, **गीतकार**— कुलवन्त जानी)

मैंने चाँद और सितारों की तमन्ना की थी

(**चित्रपट**— *चंद्रकांता* (1996), **गायक**— मो. रफ़ी, **संगीतकार**— एन. दत्त, **गीतकार**— साहिर लुधियानवी)

नैनों में बदरा छाए

(**चित्रपट**— *मेरा साया* (1966), **गायिका**— लता मंगेशकर, **संगीतकार**— मदन मोहन **गीतकार**— राजा मेंहदी अली खाँ)

अभ्यास

आइये, देखते हैं क्या राग भीम पलासी को पढ़कर हम निम्न प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं–

1. राग भीमपलासी पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा उसका भावार्थ बताइए।
2. राग भीमपलासी में एक विलंबित ख्याल की स्वरलिपि लिखिए।

सही या गलत बताइए–

1. राग भीमपलासी में ठुमरी ज्यादा गाई जाती है। (सही/गलत)
2. भीमपलासी राग का गायन समय दिन का तृतीय प्रहर है। (सही/गलत)
3. 'नैनों में बदरा छाए' गीत के संगीतकार जुगल किशोर हैं। (सही/गलत)

© NCERT not to be republished

4. भीमपलासी काफी थाट का प्रचलित राग है। (सही/गलत)
5. कर्नाटक संगीत में राग भीमपलासी 'मायामालवगौल' नाम से जाना जाता है। (सही/गलत)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग भीमपलासी की जाति _____ है।
2. इसका वादी _____ व संवादी _____ स्वर है।
3. भीमपलासी _____ प्रधान राग है।
4. कर्नाटक पद्धति में इस राग को _____ नाम से जाना जाता है।
5. 'ऐ अजनबी तू भी' गीत _____ फिल्म से लिया गया है।

विभाग 'अ' के शब्दों का 'आ' विभाग में दिए गए शब्दों से मिलान करें–

अ	आ
(क) राग भीमपलासी का थाट	1. दिन का तृतीय प्रहर
(ख) कोमल स्वर	2. नि स, ग म प, नि सं
(ग) गायन समय	3. नैनों में बदरा छाए
(घ) आरोह	4. काफी
(ङ) अवरोह	5. ग नि
(च) आधारित गीत	6. सं नि ध प, म प, ग म ग रे स

© NCERT not to be republished

राग बिहाग

आरोहन में रे, ध वर्जित गावत राग बिहाग।
प्रथम प्रहर निशि गाइए सोहत ग-नि संवाद।।

राग परिचय–1, हरिशचंद्र श्रीवास्तव

राग विवरण

इस राग का थाट बिलावल है। इसके आरोह में रे, ध स्वर वर्जित होने के कारण इसकी जाति भी औड्व-संपूर्ण होती है। इसमें कोमल स्वर प्रयोग नही किये जाते हैं लेकिन तीव्र मं स्वर को विवादी स्वर के तौर पर प्रयोग कर लिया जाता है। इसका वादी-संवादी ग-नि तथा गायन समय रात्रि का द्वितीय प्रहर होता है। यह गंभीर प्रकृति का राग है जिसमें मुख्यत: ख्याल, तराना गाये जाते हैं। इसका सम प्रकृति राग यमन कल्याण है।

मुख्य बिंदु

थाट	बिलावल
वर्जित स्वर	आरोह में रे, ध
कोमल स्वर	कोई नहीं
विवादी स्वर	तीव्र मं
गायन समय	रात्रि का द्वितीय प्रहर
आरोह	नि॒ स ग, म प, नि सं
अवरोह	सं नि ध प, म ग रे स
पकड़	नि॒ स, ग म प, ग म ग स

© NCERT not to be republished

राग बिहाग—तीन ताल

रचनाकार पं. प्रेमप्रकाश जौहरी (मेरठ)

स्थायी ललन मोरी बैयाँ गहो ना
टूट जाएँगी नई-नई चूरियाँ ऐसी हमें नीकी ना लागे

अंतरा वंशी सुन सोवत सों लाई ना जानी तेरी चतुराई
पैयाँ परूँ छाड़ो मन हरवा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
					ध	मे	प	म	ग	–	स	ग	म	प	सं
					ल	ल	न	मो	री	ऽ	बै	याँ	ग	हो	ऽ
नि	–	प	–	–,	गम	पध	गम	ग	रे	स	स	नि़	प़	नि़	स
ना	ऽ	ऽ	ऽ	,	टूऽ	ऽऽ	टऽ	जा	ऽ	एँ	गी	न	ई	न	ई
स	म	ग	–	–,	म	ग	म	प	नि	सं	सं	–	गंगं	रेंसं	निसं
चु	रि	याँ	ऽ	ऽ,	ऐ	ऽ	सी	ह	में	नी	की	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ
गम	पम	गरे	सनि़	स,	ध	मे	प								
लाऽ	ऽगे	ऽऽ	ऽऽ	ऽ,	ल	ल	न								
अंतरा															
									म	ग	म	प	प	म	–
									वं	ऽ	शी	सु	न	सो	ऽ
सं	सं	सं	–	सं	–	सं	–	नि	सं	गं	मं	ग	–	सं	–
व	त	सों	ऽ	ला	ऽ	ई	ऽ	ना	ऽ	जा	ऽ	नी	ऽ	ते	ऽ
नि	–	ग	म	प	सं	नि	–	नि	सं	गं	नि	सं	रें	म	प
री	ऽ	च	तु	रा	ऽ	ई	ऽ	पै	ऽ	ऽ	याँ	ऽ	ऽ	प	ऽ
ध	ग	म	प	नि़	स	ग	म	प	नि	सं	–	–	गंगं	रेंसं	निसं
ऽ	रू	ऽ	ऽ	छा	ऽ	ऽ	ऽ	ड़ो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मऽ	नऽ	ऽऽ
गम	पग	गरे	सनि़	स	,										
हऽ	ऽर	वाऽ	ऽऽ	ऽ	,										

© NCERT not to be republished

राग बिहाग–एकताल (बिलंबित)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 3

स्थायी कवन ढंग तोरा सजनी, तू तो इतरात उत रात बीती जात

अंतरा छांडमा न उठ तेरी बला लेहूँ, सोत लगा रहि घात

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धी	ना
×		0		2		0		3		4	
स्थायी											
							सं	मं		प	रे
							निध	प	प(प)	–	गमग
							कवऽ	न	ऽऽ	ऽ	ढंऽ,ग
ग		म	प					नि		ध़	
,म	ग	गमप	गम	ग	–	स	–	स	(स)	नि,	सम
ऽतो	रा	ऽऽऽ	सज	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	तो	ऽ,	इत
				नि		ध़	नि			मं	सं
ग	–	स	स	स	स	नि	,स	म	ग	प	निसं
रा	ऽ	ऽ	त	उ	त	ऽ	ऽ,रा	ऽ	त	बी	तीऽ
ध				ग		गरे			मं		प
नि	–	प	–	प	प(प)	मग	,निध	प	प(प)	रे–	गम,ग
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	तऽ	,कव	न	ऽऽ	ढंऽ,	गऽऽ
अंतरा											
								मं	नि	संध	
								प	संसं	–	निनि
								छां	डमा	ऽ	नऽ
नि				प							म
रें	सं	नि	निसं	सं	–	निसं	निसरेंसं	नि	–	प	पसं
उ	ठ	ऽ	ऽऽ	ते	ऽ	ऽऽ	रीऽऽब	ला	ऽ	ऽ	लेऽ
				नि	सरें		रें				रें
नि	–	प	–	सं	गंगं	(सं)	–सं	नि	–	प	निसं
हूं	ऽ	ऽ	ऽ	सो	ऽऽ	त	ऽल	गा	ऽ	ऽ	रहि
				मं		गरे	सं				
नि	–	प	–	प	(प)	मग	,निध				
धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तऽ	,कव				

© NCERT not to be republished

राग बिहाग—त्रिताल (मध्यलय)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 3

स्थायी मेरो मन अटक्यो सुंदर ध्यान

अंतरा निसवास मोहे पलक न लागत निक सो जात प्राण

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
	प							म				नि			
								ग	म	प	नि	सं	नि	(प)	–
								मे	रो	म	न	अ	ट	क्यो	ऽ
प	–	ग	म	ग	–	–	स								
सुं	ऽ	द	र	ध्या	ऽ	ऽ	न								
अंतरा															
								मं							
								प	प	सं	–	सं	सं	रें	सं
								नि	स	वा	ऽ	स	न	मो	हे
नि	रें			मं				स							
सं	सं	नि	प	प	सं	नि	नि	नि़	स	ग	म	प	–	नि	सं
प	ल	क	न	ला	ऽ	ग	त	नि	क	सो	ऽ	जा	ऽ	त	प
निसं	गरें	संनि	धप	मध	पम	गरे	सस								
राऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	नऽ								

© NCERT not to be republished

राग बिहाग–त्रिताल (बिलंबित)

क्रमिक पुस्तक मालिका-भाग 3

स्थायी जग जीवन थोरा थोरा रे, समझ समझ देख ले

अंतरा सीख मान ले सदारंग की बहुत गई, अब तो जोगी मेख ले

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			

स्थायी

											म	मध	गरे		
											,गम	निनि	प	मग	गमपध,म
											,जग	जीऽ	व	ऽऽ	ऽऽऽऽ,न
				नि़	ध़			नि़	म	रे		नि़	ग		
ग	‿रे	स	–	स	(स)	नि़	–	स	गम	ग	स	सस	मग	पप	प,मप
थो	ऽऽ	रा	ऽ	थो	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	रे	ऽ	सम	झस	मझ	ऽ,ऽऽ
प				मं		म	रे				म				
नि	‿–	प	–	प	(प)	गम	ग	गमप	गम,पम	ग	स,गम				
दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽ,ऽख	ले	ऽ,जग				

अंतरा

ध			मं			गरे						प	सं		
नि	‿–	प	–,प	(प)	–	मग	गमपध,म	ग	‿–	स	–	ग,गम	प,नि	सं	(संनि)
ले	ऽ	ऽ	ऽ,स	दा	ऽ	ऽऽ	रं,ऽऽऽग	की	ऽ	ऽ	ऽ	सी,ऽऽ	ख,मा	ऽ	ऽन
		ग	रे	म				गरे			म	स			
सस	ग	–म	गग	नि	–	प	–	मग	गमपध,म	ग	स,गम	निप़	नि़नि़	स	गस
अब	तो	ऽजो	गीऽ	भे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ,ख	ले	ऽ,जग	बहु	तग	ई	ऽऽ

© NCERT not to be republished

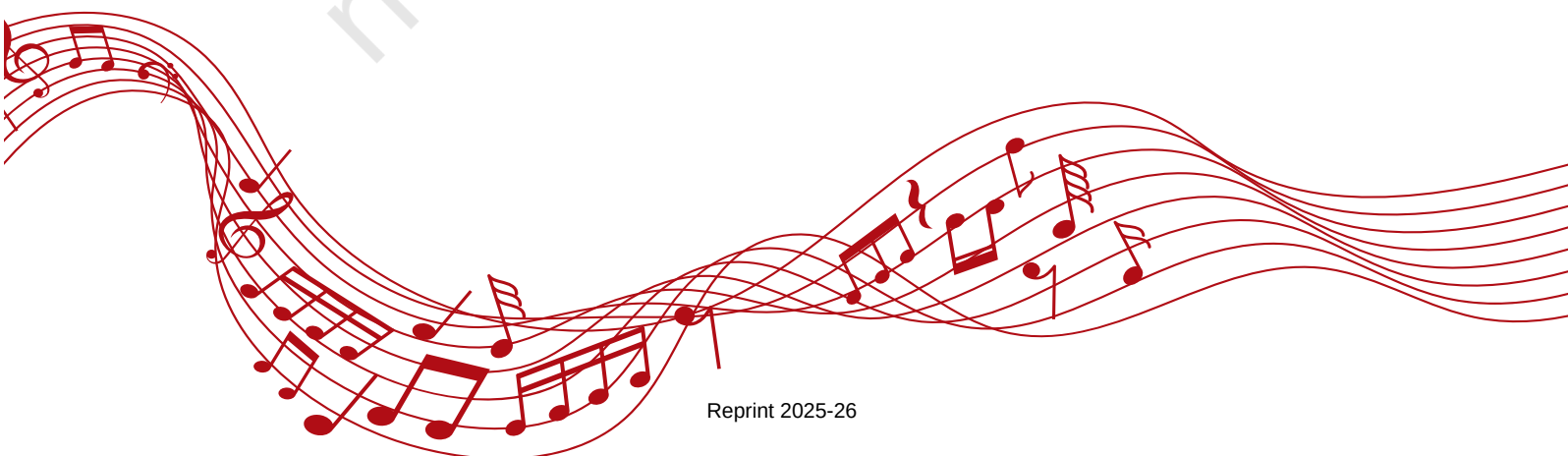

राग बिहाग (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
						स	नि़	स	ग	–	प	–	मं	ग	म
						दा	रा	दा	रा	ऽ	दा	ऽ	दा	रा	दा
प	–	ग	म	ग	–										
दा	ऽ	दा	रा	दा	ऽ										
ग	मं	गग	मम	ग–	ग,स	–स,	नि़	प	प	प,	नि़	–	नि़,	स	–
दा	रा	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा	दा	दिर	दा,	दा	ऽ	रा,	दा	ऽ
गम	पध	ग	म	ग	रे										
दारा	दारा	दा	रा	दा	रा										
अंतरा															
प	–	–	ग	–	म	प	नि	सं	गंगं	रेंरें	संसं	नि–	नि़ध	–ध,	प
दा	ऽ	ऽ	दा	ऽ	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
प	ग	म	प	ग	रे										
दा	रा	दा	रा	दा	रा										

© NCERT not to be republished

राग बिहाग (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
						स	नि़	स	मम	ग	प	–	नि	–नि	नि
						दा	रा	दा	दिर	दा	रा	ऽ	दा	ऽर	दा
सं	–	प	म	ग	रे										
दा	ऽ	दा	रा	दा	रा										
अंतरा															
सं	–	सं	रें	नि	सं	प	नि	सं	रें	निनि	संसं	नि–	नि,प	–प	प
दा	ऽ	दा	रा	दा	रा	दा	रा	दा	रा	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
गम	पध	ग	म	ग	रे										
दारा	दारा	दा	रा	दा	रा										

© NCERT not to be republished

राग बिहाग (तीनताल)—मसीतखानी गत

1 2 3 4 धा धिं धिं धा ×	5 6 7 8 धा धिं धिं धा 2	9 10 11 12 धा तिं तिं ता 0	13 14 15 16 ता धिं धिं धा 3
स्थायी			
सं नि प पप दा दा रा दिर	म गम ग प दा दिर दा रा	ग म ग सऩि दा दा रा दिर	स गम प नि दा दिर दा रा
मंझा			
ग ऩिऩि स स दा दिर दा रा	ग मम प म दा दिर दा रा	मग मग रेस सऩि दाऽ दाऽ राऽ दिर	स गरे स ऩि दा दिर दा रा
अंतरा			
सं सं सं निसं दा दा रा दिर	प निनि संमं गं दा दिर दाऽ रा	नि नि सं पप दा दा रा दिर	ग मम प नि दा दिर दा रा
प नि सं संसं दा दा रा दिर	नि प ग म दा दिर दा रा	ग रे स गंमं दा दा रा दिर	गं संसं नि सं दा दिर दा रा

© NCERT not to be republished

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग बिहाग पर आधारित हैं–

तेरे प्यार में दिलदार

(**चित्रपट**— *मेरे महबूब* (1963), **गायिका**— लता मंगेशकर, **संगीत**— नौशाद, **गीतकार**— शकील बदायूँनी)

तेरे सुर और मेरे गीत

(**चित्रपट**— *गूँज उठी शहनाई* (1959), **गायिका**— लता मंगेशकर, **गायक**— मो. रफी, **संगीतकार**— बसन्त देसाई, **गीतकार**— भरत व्यास)

ये क्या जगह है दोस्तों

(**चित्रपट**— *उमराव जान* (1981), **गायक**— आशा भोंसले, **संगीतकार**— खैय्याम, **गीतकार**— शाहरयार)

सुहानी बेरियाँ बीती जाएँ

(**चित्रपट**— *मिलान* (1946), **गायिका**— पारूल घोष, **संगीतकार**— अनिल विश्वास, **गीतकार**— आरजू लखनवी)

ज़िंदगी के सफर में गुज़र जाते हैं

(**चित्रपट**— *आपकी कसम* (1974), **गायक**— किशोर कुमार, **संगीतकार**— राहुल देव बर्मन, **गीतकार**— आनंद बख्शी)

© NCERT not to be republished

अभ्यास

आइये, देखते हैं क्या इस राग को पढ़कर हम निम्न प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं–

1. राग बिहाग पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा उसका भावार्थ बताइए।
2. राग बिहाग में एक विलंबित ख्याल की बंदिश स्वरलिपि में लिखिए।

सही या गलत बताइए–

1. बिहाग गंभीर प्रकृति का राग है तथा इसमें ख्याल, तराना आदि गाए जाते हैं। (सही/गलत)
2. राग बिहाग का गायन समय प्रात:काल है। (सही/गलत)
3. 'तेरे सुर मेरे गीत' के संगीतकार आनंद बख्शी हैं। (सही/गलत)
4. बिहाग आसावरी थाट का एक प्रचलित राग है। (सही/गलत)
5. राग बिहाग के आरोह में सातों स्वरों का प्रयोग होता है। (सही/गलत)

विभाग 'अ' के शब्दों का 'आ' विभाग में दिए गए शब्दों से मिलान करें–

अ	आ
(क) राग बिहाग का थाट	1. रात्रि का द्वितीय प्रहर
(ख) वर्जित स्वर	2. नि॒ स ग, म प, नि सं
(ग) गायन समय	3. तेरे सुर मेरे गीत
(घ) आरोह	4. बिलावल
(ङ) अवरोह	5. आरोह में ऋषभ
(च) आधारित गीत	6. संनि ध प, म ग रे स

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग बिहाग _____ जाति का राग है।
2. इसका वादी _____ व संवादी _____ स्वर है।
3. बिहाग का सम प्रकृति राग _____ है।
4. 'ज़िंदगी के सफर में गुज़र जाते हैं' गीत _____ फिल्म से लिया गया है।
5. _____ स्वर का प्रयोग विवादी स्वर के तौर पर प्रयोग कर लिया जाता है।

© NCERT not to be republished

राग जौनपुरी

ग ध नि स्वर कोमल रहे आरोहन ग ध नि।
ध ग वादी सम्वादी से जौनपुरी पहचानी।।

राग चंद्रिकासार

राग विवरण

यह आसावरी थाट से उत्पन्न राग है। इसमें लगने वाले कोमल स्वर ग, ध एवं नि हैं, बाकी सभी शुद्ध स्वर लगते हैं। इसके आरोह में गंधार वर्जित होने के कारण इसकी जाति षाड्व-संपूर्ण होती है। इसके वादी-संवादी ध-ग तथा गायन समय दिन का द्वितीय प्रहर होता है। इसमें प ग की संगति बार-बार की जाती है। यह उत्तरांग प्रधान राग है। इसका सम प्रकृति राग आसावरी है। इसलिए आसावरी राग से बचने के लिए रे म प का प्रयोग किया जाता है। माना जाता है कि इस राग की रचना जौनपुर के सुल्तान हुसैन शर्की ने की थी, इसलिए इसका नाम जौनपुरी पड़ा।

मुख्य बिंदु

थाट	आसावरी
कोमल स्वर	ग, ध, नि
वर्जित स्वर	आरोह में ग
जाति	षाड्व-संपूर्ण
वादी-संवादी	ध-ग
गायन समय	दिन का द्वितीय प्रहर
आरोह	स रे म, प, ध नि सं
अवरोह	सं नि ध पम ग रे स
पकड़	म प नि ध प, ध म प ग, रे म प

© NCERT not to be republished

जौनपुरी (तीनताल)

रचनाकार पं. प्रेमप्रकाश जौहरी (मेरठ)

स्थायी पनियाँ भरन ना ही देत ढीठ लगरवा ना ही माने मोसे करत है रार

अंतरा सुन री यशोदा तेरौ लाल मीठी-मीठी बतियाँ बनाए माँगत है मोसे जोवनवा को हारे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
						पध	म	पध	निसं	नि	सं	ध	प	ध	मप
						पऽ	नि	याँऽ	ऽऽ	भ	र	न	ना	ऽ	हीऽ
ग	–	रे	म	प	–	प	म	ग	–	रे	स	रे	नि़	–	स
दे	ऽ	ऽ	ऽ	त	ऽ	ढी	ऽ	र	ऽ	ले	ग	र	वा	ऽ	ना
–	रे	–	म	–	प	ध	म	प	ध	नि	सं	पध	निसं	रेगं	रेसं
ऽ	ही	ऽ	मा	ऽ	ने	मो	से	क	र	त	है	राऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
पध	पम	गरे	सनि	स	–	पध	म								
ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	पऽ	नि								
अंतरा															
											ध	म	पध	निसं	नि
											सु	न	रीऽ	ऽऽ	य
–	–	–	–	रें	नि	सं	रें	नि	ध	प,	प	ध	सं	–	रें
शो	ऽ	ऽ	ऽ	दा	ऽ	ते	रौ	ला	ऽ	ल,	मी	ठी	मी	ऽ	ठी
गंरें	गं	रें	सं	रें	नि	सं	रें	नि	ध	प,	ग	रे	स	रे	नि़
वऽ	ऽ	ति	ऽ	याँ	ऽ	ऽ	ब	ना	ऽ	य,	मा	ऽ	ग	ऽ	त
स	–	रे	म	प	–	पध	म	प	ध	नि	सं	पध	निसं	रेंगं	रेंसं
है	ऽ	मो	ऽ	से	ऽ	जोऽ	ऽ	ब	न	वा	कौ	हाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
निध	पम	गरे	सनि़	स	–	पध	म								
ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	रे	ऽ	पऽ	नि								

© NCERT not to be republished

राग जौनपुरी (तीनताल)—मसीतखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
											ससं	रे	ममं	प	सं
											दिर	दा	दिर	दा	रा
ध	ध	प	पपं	ध	ममं	पध	मप	ग	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
											ससं	रे	ससं	नि़	ध़
											दिर	दा	दिर	दा	रा
म़	प़प़ं	ध़	प़	स	रेंरें	म	प	गंग	रे	स					
दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
अंतरा															
											ममं	म	पपं	ध	प
											दिर	दा	दिर	दा	रा
सं	सं	सं	संसं	नि	संसं	रें	सं	निसं	ध	प					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					
											मंमं	गं	रेंरें	सं	सं
											दिर	दा	दिर	दा	रा
निसं	ध	प	पपं	ध	ममं	पनि	धप	ग्ग	रे	स					
दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा					

© NCERT not to be republished

राग जौनपुरी (तीनताल)—मसीतखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			
स्थायी															
								ग–	ग,रे	–रे,	सस	रे	मम	प	स
								दाऽ	र,दा	ऽर,	दिर	दा	दिर	दा	रा
निध	–	–	प	म	प	ग	रे								
दा	ऽ	ऽ	दा	दा	रा	दा	रा								
अंतरा															
ध	–	–	प	म	प	नि	सं	रें	गंगं	रेंरें	संसं	नि–	सं,ध	–ध,	प
दा	ऽ	ऽ	दा	दा	रा	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
मप	निसं	रेमं	गंरें	संनि	धप	मग	रेस								
दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा								

© NCERT not to be republished

राग जौनपुरी (तीनताल)—रज़ाखानी गत

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
×				2				0				3			

स्थायी

									संनि	रेंसं	निसं	ध–	ध,प	–म,	प
									दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
ग	–	रे	स	रे	मम	प	–	सं	गं	रेंरें	संसं	नि–	सं,ध	–ध,	प
दा	ऽ	दा	रा	दा	दिर	दा	ऽ	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
म	पध	निसं	नि	सं	–	–	–	–							
दा	दिर	दिर	दा	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ							

अंतरा

								म	पप	प	ध	प	ध	सं	–
								दा	दिर	दा	रा	दा	रा	दा	ऽ
–,	प	नि	सं	रें	गं	रें	सं	नि	संनि	रेंसं	निसं	ध–	ध,प	–म,	प
ऽ,	दा	रा	दा	रा	दा	रा	दा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	र,दा	ऽर,	दा
पं	गंगं	रें	गं	सं	रेंरें	नि	सं	म	पप	निनि	धध	प–	मप	–ग	रेस
दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दिर	दिर	दाऽ	रदा	ऽर	दिर
म	पध	निसं	नि	सं	–	–	–								
दा	दिर	दिर	दा	रा	ऽ	ऽ	ऽ								

कुछ लोकप्रिय गीत जो राग जौनपुरी पर आधारित हैं—

घूँघट के पट खोल

(**चित्रपट**— *जोगन* (1950), **गायिका**— गीता दत्त, **संगीतकार**— बूलो सी. रानी, **गीतकार**— मीरा बाई)

© NCERT not to be republished

दिल में हो तुम

(**चित्रपट**— *सत्यमेव जयते* (1985), **गायिका**— एस. जानकी, **संगीतकार**— बप्पी लहरी, **गीतकार**— फारूख कैसर)

दिल छेड़ कोई नगमा

(**चित्रपट**— *इंस्पेक्टर* (1956), **गायिका**— लता मंगेशकर, **संगीतकार**— हेमन्त कुमार, **गीतकार**— एस.एच.बिहारी)

पल पल है भारी

(**चित्रपट**— *स्वदेश* (2004), **गायिका**— अल्का याज्ञनिक, **संगीतकार**— ए.आर. रहमान, **गीतकार**— जावेद अख्तर)

मेरी याद में तुम ना

(**चित्रपट**— *मदहोश* (1951), **गायक**— तलत महमूद, **संगीतकार**— मदन मोहन, **गीतकार**— राजा मेंहदी अली खाँ)

अभ्यास

आइये, देखते हैं क्या इस राग को पढ़कर हम निम्न प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं–

1. राग जौनपुरी पर आधारित कोई एक श्लोक लिखिए तथा उसका भावार्थ बताइए।
2. राग जौनपुरी में एक विलंबित ख्याल की बंदिश स्वरलिपि में लिखिए।

सही या गलत बताइए–

1. राग जौनपुरी के आरोह में सातों स्वरों का प्रयोग होता है। (सही/गलत)
2. राग जौनपुरी संध्याकालीन राग है। (सही/गलत)
3. जोगन फिल्म के गीत 'घूँघट के पट खोल' गीत की गीतकार मीरा बाई हैं। (सही/गलत)
4. जौनपुरी बिलावल थाट का एक प्रचलित राग है। (सही/गलत)
5. ऐसा माना जाता है कि राग की रचना जौनपुर के सुल्तान हुसैन शर्की ने की थी। (सही/गलत)

© NCERT not to be republished

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राग जौनपुरी की जाति _____ है।
2. इस राग का वादी _____ व संवादी _____ स्वर है।
3. जौनपुरी _____ प्रधान राग है।
4. इस राग का सम प्रकृति राग _____ है।
5. 'दिल छेड़ कोई नगमा' गीत के गीतकार _____ हैं।

विभाग 'अ' के शब्दों का 'आ' विभाग में दिए गए शब्दों से मिलान करें–

अ	आ
(क) राग जौनपुरी का थाट	1. दिन का द्वितीय प्रहर
(ख) वर्जित स्वर	2. स रे म, प, ध नि सं
(ग) गायन समय	3. घूँघट के पट खोल
(घ) आरोह	4. आसावरी
(ङ) अवरोह	5. आरोह में गंधार
(च) आधारित गीत	6. सं नि ध प म ग रे स

© NCERT not to be republished